मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, रविवार 11 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-180, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

शाजापुर जिला कृषि, नवाचार और विकास के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहा है आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बलराम कृषि महोत्सव: किसानों को आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम

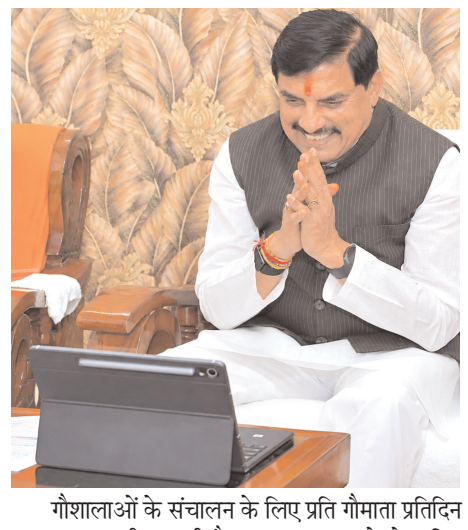
एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बिहार के बोधगया से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा शाजापुर जिले में आयोजित ह्यबलराम कृषि महोत्सवह्न में सहभागिता की। उन्होंने किसानों से संवाद कर कृषि क्षेत्र के विकास एवं किसानों के कल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संवाद करते हुए कहा कि शाजापुर कृषि, नवाचार और विकास के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। जिले की पहचान प्याज, आलू, सोयाबीन जैसी फसलों के साथ-साथ कृषि आधारित उद्योगों और सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी प्रभावी रूप से बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सड़क और एक्सप्रेस-वे परियोजनाओं से शाजापुर जिले के विकास को गति मिलेगी तथा किसानों और स्थानीय व्यापारियों के लिए बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव कहा कि कृषक कल्याण वर्ष अंतर्गत राज्य सरकार कृषि को लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई, बिजली, सोलर पंप, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। किसानों को नई सड़कों के लिए 4 गुना मुआवजा, दिन में बिजली उपलब्ध कराने, सोलर पंपों को प्रोत्साहित करने तथा कृषि उपज के उचित मूल्य और भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राकृतिक खेती और आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने पर जोर देते हुए बताया कि जिले में प्राकृतिक खेती के लिए किसानों का चयन और कृषि सखियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान भाइयों से कहा कि पारंपरिक खेती के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, फूलों की खेती, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण जैसी गतिविधियों को अपनाकर आय के अतिरिक्त स्रोत विकसित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सांची दुग्ध संघ को सशक्त बनाया जा रहा है।



गौशालाओं के संचालन के लिए प्रति गौमाता प्रतिदिन सहायता दी जा रही है तथा पशुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतियोगिताएं और पुरस्कार योजनाएं भी संचालित की जाएंगी। आलू और प्याज की प्रोसेसिंग, भंडारण तथा फूड पार्क की स्थापना से किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस योजना के माध्यम से गांव-गांव तक बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण परिवारों के आवासों की निःशुल्?क रजिस्ट्री की सुविधा तथा किसानों को सौर ऊर्जा से बिजली उपलब्ध कराने के प्रयास भी किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बोनस सहित खरीदी और भावांतर योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार निर्णय ले रही है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई का रकबा विस्तारित करने और कृषि क्षेत्र को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।

बलराम कृषि महोत्सव किसानों को कृषि क्षेत्र में हो रहे बदलावों, आधुनिक तकनीकों एवं नवाचारों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम

मुख्यमंत्री आज करेंगे 502 करोड़ की आरटीई फीस प्रतिपूर्ति राशि अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 अक्टूबर को नरसिंहपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। इससे प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों के खातों में 502 करोड़ रुपये की राशि अंतरित होगी, जिससे 8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले में 45 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधायुक्त शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी करेंगे।

पनामा में 7.6 तीव्रता का भूकंप, अब तक 100 से ज्यादा बार धरती कांपी

भूकंप में जान दांव पर लगाकर शराब की बोतलें बचाईं

एजेन्सी, पनामा सिटी



पनामा में भूकंप के दौरान एक शख्स जान की परवाह किए बिना शराब की बोतलें बचाता नजर आया। भूकंप के झटकों से दुकान का सामान हिलने लगा, लेकिन वह बोतलों को संभालने में जुटा रहा। इस दौरान कुछ बोतलें गिर कर टूट गईं।

पनामा में स्थानीय समय के मुताबिक शुक्रवार दोपहर करीब 1 बजे 7.6 तीव्रता का भूकंप आया था। इसका केंद्र राजधानी पनामा सिटी से करीब 200 किलोमीटर दूर अजुएरो प्रायद्वीप में था। भूकंप में अब तक 27 लोगों के घायल होने की खबर हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। पिछले 18 घंटे में यहां 100 से आफ्टरशॉक (झटके) आ चुके हैं। पनामा की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, वेरागुआस, हेरेरा और लॉस सैंटोस समेत कई प्रांतों में नुकसान हुआ। पेनोनोमे शहर में एक चर्च का घंटाघर गिर गया और कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं। वेरागुआस में सड़कों पर दरारें आने की खबरें भी सामने आईं।

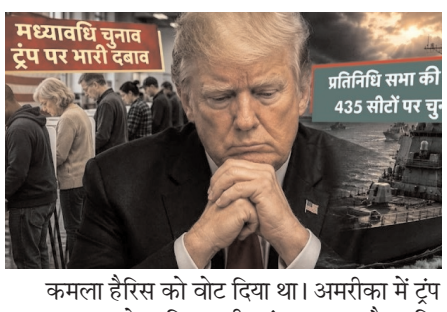
नागरिक सुरक्षा सेवा के अधिकारी के मुताबिक, कई लोग घायल हुए हैं। इनमें एक व्यक्ति पेनोनोमे में मलबे की चपेट में आने से घायल हुआ।

अमरीका में मिडटर्म चुनाव में ट्रंप को सताया हार का डर

दो लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे, तीन नवंबर को इलेक्शन

एजेन्सी, वाशिंगटन

अमरीका की वोटर लिस्ट से दो लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमरीका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। तीन नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रंप की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटरों का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65 फीसदी भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। अमरीका में ट्रंप प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें।



सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रंप सेव अमरीका एक्ट का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमरीकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी। इसके तहत वोटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों को अमरीकी नागरिकता साबित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज देने होंगे।

वोट डालने के लिए पहचान पत्र दिखाने के नियम भी सख्त किए जाएंगे। ये नियम मतदान केंद्र पर और डाक से वोट डालने, दोनों पर लागू होंगे। ट्रंप चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली होने के दावा करते रहे हैं। हालांकि, इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले हैं।

जेवर हवाई अड्डे का बदलेगा नाम

अब मोदी के नाम पर एयरपोर्ट योगी कैबिनेट में प्रस्ताव पास



एजेन्सी, लखनऊ

नोएडा के जेवर एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटर नेशनल एयरपोर्ट होगा। सीएम योगी ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूपी कैबिनेट की बैठक में इससे जुड़ा प्रस्ताव पास कर दिया गया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब नाम बदलने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। वहां से मंजूरी के बाद नाम बदल जाएगा। शुक्रवार सुबह 11 बजे सीएम योगी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई।

इसमें अग्निवीर योजना को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया। इस दौरान कुल 39 प्रस्ताव पास हुए। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि अग्निवीरों को पुलिस, परिवहन, कारागार और वन विभाग में 20 फीसदी आरक्षण मिलेगा। उम्र में तीन साल की छूट मिलेगी। लिखित और फिजिकल टेस्ट के बिना सीधे ज्वाइनिंग लेटर मिलेगा।

पीएम का यूपी से गहरा रिश्ता

कैबिनेट बैठक के बाद योगी ने खुद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। तीन साल में पहला मौका था, जब मंत्रिपरिषद की बैठक के सीएम मीडिया के सामने आए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के जनसेवा के 25 साल पूरे होने पर अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने बताया- पीएम मोदी और यूपी का रिश्ता आत्मीय है, जो लगातार गहरा हुआ। उन्होंने यूपी के विकास को प्राथमिकता दी। इसके चलते प्रदेश तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है।

जंतर-मंतर नहीं पहुंच पाए प्रदर्शनकारी

अभिजीत दीपके, ममता बनर्जी, केजरीवाल सहित 3500 प्रदर्शनकारी हिरासत में

एजेन्सी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की सख्ती की वजह से शाम 5 बजे तक कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच पाए। पुलिस ने सीजेपी की लीडरशिप अभिजीत दीपके, सौरव दास और आशुतोष रांका को सुबह ही एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया।

पार्टी ने सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। अब तक 3500 लोगों को कस्टडी में लिया गया। इस दौरान ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया गया।

पुलिस से झड़प की एक या दो घटनाएं सामने आईं। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी।



आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके, जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। उखढ ने मतदाता सूची में गड़बड़ियों और SIR के विरोध में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का आह्वान किया था।

चुनाव आयोग के समर्थन में पूर्व अफसर

124 पूर्व आईएएस-आईएफएस अधिकारियों का खुला पत्र

एजेन्सी, नई दिल्ली

पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के 124 अधिकारियों के एक समूह ने नागरिकों के नाम एक खुला पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) और मतदाता सूची में सुधार की उसकी 'विशेष गहन समीक्षा' (एसआईआर) प्रक्रिया का बचाव किया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब मतदाता सूची के सत्यापन को लेकर राजनीतिक विवाद बढ़ रहा है, साथ ही अनियमितताओं के आरोप और इस प्रक्रिया को आयोग की तरीके पर सवाल उठाए जा रहे हैं।

पूर्व अधिकारियों का यह पत्र चुनाव आयोग का बचाव करता है। यह ऐसे समय में आया है जब विपक्षी दलों और नागरिक समाज के समूहों ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चिंताएं जताई हैं।



नागरिकों से कहा...

इस पत्र में लिखा, 'हमने अपनी पूरी जिंदगी भारत के चुनावों को आयोजित करने या उनका अध्ययन करने में बिताई है। हमने वोटर लिस्ट तैयार कीं, पोलिंग पार्टियों को ट्रेनिंग दी, स्ट्रॉन्ग रूम सील किए और वोटों की गिनती की देखरेख की। हम किसी पार्टी से नहीं जुड़े हैं। हम इसलिए लिख रहे हैं क्योंकि अब बिना किसी सबूत के हमारे चुनावों के लिए धांधली शब्द का इस्तेमाल किया जाता है, और बार-बार ऐसा कहने से उस लोकतांत्रिक भरोसे को चोट पहुंचती है जो हम सभी का है।

'किसमें कितना है दम': योगी की चुनौती....

अखिलेश अयोध्या से लड़ें, मैं भी लड़ता हूं, हो जाए आमने-सामने मुकाबला

एजेन्सी, बलरामपुर

यूपी के बलरामपुर में उतरौला के कालूबनकट में शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने 803 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए।

कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। सीएम ने लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक सौंपकर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही।

सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या से चुनाव लड़ें, हम भी लड़ेंगे। आमने-सामने मुकाबला हो जाए और तय हो जाए कि किसमें कितना दम है। तंज कसते हुए कहा कि माफिया के सामने नाक रगड़ने वाले उनसे क्या लड़ेंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान से समारोह में सियासी माहौल गरमा गया।



सीएम ने अयोध्या के प्रति अपनी आस्था जाहिर करते हुए कहा कि वह बार-बार अयोध्या जाते हैं। अयोध्या उनके लिए पावन धाम है। वहां विकास कार्यों में किसी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। इसके विकास को लेकर सरकार गंभीर है और लगातार काम कराया जा रहा है। सपा पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि विपक्षी नेता विकास के मुद्दे पर घिरने के बाद चुनौती देने की बातें कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को सीधे मुकाबले के लिए ललकारते हुए कहा कि आमने-सामने की लड़ाई से साफ हो जाएगा कि किसमें कितना दम है।

सीएम ने अयोध्या में धार्मिक स्थलों के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने पहले जय श्रीराम के उद्घोष पर रोक लगाई थी, वे आज अयोध्या के विकास पर सवाल उठा रहे हैं। अयोध्या, काशी और मां विंध्यवासिनी धाम में हो रहे विकास कार्यों का विरोध करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या उनके लिए आस्था का विषय है और वहां विकास कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बलरामपुर की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक विरासत के संरक्षण के साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी काम कर रही है।

आज प्रदेश में कोई दंगा नहीं कर सकता

उन्होंने कहा कि जिन लोगों की विकास में रुचि नहीं थी, वे वर्ष 2017 से पहले विकास के पैसे को कब्रिस्तान की बाउंड्रीवाल बनाने पर खर्च करते थे और दंगाइयों को प्रेरित व प्रोत्साहित किया जाता था। आज प्रदेश में कोई दंगा नहीं कर सकता। बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। ऐसे लोगों के लिए जेल या जहन्नुम का रास्ता है, तीसरा कोई रास्ता नहीं है। सीएम ने आगे कहा कि आज एक बार फिर बलरामपुर जिले को 803 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लाभ मिल रहा है। विकास कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। क्षेत्र में विकास की हर योजना और आवश्यकता को पूरा किया जाएगा। किसानों, व्यापारियों और बेटियों की जरूरतों को पूरा करने का काम भाजपा की डबल इंजन सरकार करेगी। बलरामपुर को विकसित जनपद के रूप में स्थापित करते हुए भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए सभी का आशीर्वाद और सहयोग जरूरी है।

रानीताल स्टेडियम में सजी आभार और संकल्प की रंगोली

सेवा संकल्प के कार्यक्रमों से विकास के पहलुओं को जोड़ा जा रहा: जगदीश देवड़ा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को रानीताल स्टेडियम में 'सेवा के रंग घर से राष्ट्र तक, आभार और संकल्प की रंगोली' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने सहभागिता की। विद्यार्थियों ने रंगोली और मानव श्रृंखला के माध्यम से सेवा, आभार और विकसित भारत के संकल्प को अभिव्यक्त किया। सभी अतिथियों ने मानव रंगोली निर्माण में शामिल विद्यार्थियों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के तहत आयोजित कार्यक्रम में सांसद मती सुमित्रा वाल्मीकि, सांसद आशीष दुबे, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी 'इंदू', डॉ. अभिलाष पांडे एवं नीरज सिंह, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष मती आशा मुकेश गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, प्रदेश सह मीडिया प्रभारी कांत साहू, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. स्वाति गोडबोले, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य डॉ. जितेंद्र जामदार, दिव्यांगजन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संदीप रजक, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, सोनू बचवानी ने सहभागिता की। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, विरासत और विकास के विभिन्न पहलुओं को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक, जब देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे, भारत को विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में अग्रणी बनाने और विश्वगुरु के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी को सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने विद्यार्थियों को देश का भविष्य बताते हुए कहा कि युवाओं के लिए अनेक योजनाएं और कार्य किए गए हैं। मानव रंगोली जैसे आयोजन विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सामूहिक सहभागिता का संदेश देते हैं। उन्होंने तेज धूप के बावजूद कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों और नागरिकों के उत्साह की सराहना की तथा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने नवरात्रि पर्व की शुभकामनाएं देते हुए सभी के स्वस्थ रहने, निरंतर आगे बढ़ने और भारत के विकसित राष्ट्र बनकर विश्वगुरु के रूप में स्थापित होने की कामना की। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप आयोजित रंगोली कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है।

शराब के लिए एक हजार रुपये नहीं दिए तो ई-रिक्शा चालक पर चाकू से जानलेवा हमला

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शहर के घमापुर थाना क्षेत्र में आपराधिक तत्वों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां शराब पीने के लिए एक हजार रुपये की अवैध मांग पूरी न करने पर बदमाशों ने एक ई-रिक्शा चालक पर चाकू से ताबड़तोड़ जानलेवा हमला कर दिया। इस दुस्साहसिक वारदात में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया है, जबकि पुलिस ने पिता-पुत्र सहित तीन आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना गत 7 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे की है। सिद्धबाबा साहू मोहल्ला निवासी 52 वर्षीय संतलाल वर्मा अपने घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा को अंदर करने के लिए सड़क पर आए हुए थे। इसी दौरान इलाके के ही रहने वाले श्याम उर्फ संदीप राज वंशकर और विजय वंशकार वहां पहुंचे और संतलाल के पास आकर शराब पीने के लिए एक हजार रुपये की मांग करने लगे। थाना प्रभारी से प्राप्त विवरण के मुताबिक, जब पीड़ित संतलाल वर्मा ने आरोपियों को पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो वे आगबबूला हो गए और अभद्र गालियां देने लगे। जब संतलाल ने उन्हें गाली देने से मना किया और टोकने की कोशिश की, तो आरोपी श्याम ने अपनी जेब से धारदार चाकू निकाल लिया और संतलाल पर हमला कर दिया। चाकू सीधे उनके दाहिने पैर में जा लगा, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके साथ ही दूसरे आरोपी विजय वंशकार ने भी उनके साथ हाथ-मुक्कों से जमकर मारपीट की। हंगामा बढ़ता देख और शोर-शराबा होने पर विजय का पिता बाबू वंशकार भी मौके पर पहुंच गया और वह भी इस मारपीट में शामिल हो गया। तीनों आरोपियों ने मिलकर घायल अवस्था में पड़े संतलाल को जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गए। वारदात की सूचना मिलने पर घमापुर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और घायल ई-रिक्शा चालक संतलाल की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 119(1), 296(ए), 351(2), और 3(5) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस अब फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।मना करने पर आरोपियों ने गालीगलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर श्याम ने चाकू से हमला कर संतलाल के दाहिने पैर में गंभीर चोट पहुंचा दी, जबकि विजय ने उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। इसी दौरान बीच-बचाव या शांत कराने के बजाय विजय का पिता बाबू वंशकार भी मौके पर आ गया और मारपीट में शामिल हो गया, जिसके बाद तीनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

पाटन में तेज रफ्तार बाइक का कहर: अज्ञात मोटरसाइकिल की टक्कर से युवक गंभीर रूप से घायल, चालक मौके से फरार

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के पाटन थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का एक और खतरनाक मामला सामने आया है। यहां एक अनियंत्रित मोटरसाइकिल ने सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उस पर सवार दो युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी चालक अपनी बाइक लेकर जबलपुर की ओर फरार हो गया, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पनागर निवासी 40 वर्षीय राजू बड़गैंया गत 8 अक्टूबर को अपने छोटे भाई संतोष, जुगल राय और जुगल के जीजा मुन्नालाल राय के साथ दो अलग-अलग बाइकों पर सवार होकर पाटन से पनागर वापस लौट रहे थे। रात करीब 8:45 बजे जब वे भरौदा तिराहे के पास पहुंचे, तभी पाटन की ओर से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 20 एक्स जी 8023) के चालक ने बेहद लापरवाही और तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए सीधे संतोष की बाइक को टक्कर मार दी। थाना प्रभारी से प्राप्त विवरण के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि संतोष और जुगल राय अपनी बाइक समेत सड़क पर दूर जा गिरे।

इस भीषण हादसे में दोनों युवकों के हाथ-पैरों और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी चालक बिना रुके अपनी मोटरसाइकिल लेकर जबलपुर की ओर भाग निकला। घटना के तुरंत बाद साथ चल रहे मुन्नालाल राय और अन्य परिजनों ने दोनों घायलों को संभाला और निजी साधन से प्राथमिक उपचार के लिए जबलपुर रवाना किया।(तेज रफ्तार/लापरवाही से वाहन चलाना) और 125(ए) (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है।

रात के अंधेरे में ऑटो में लिफ्ट देकर लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चाकू मारकर छीने थे 500 रुपये

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शहर में देर रात यात्रा करने वाले यात्रियों को शिकार बनाने वाले एक शातिर गिरोह का सिविल लाईन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भंडाफोड़ किया है। रेलवे स्टेशन जाने के लिए ऑटो में बैठे एक बेबस यात्री पर चाकू से जानलेवा हमला कर केवल 500 रुपये की लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने धर दबोचा है। पकड़े गए आरोपियों में एक बालिग और एक विधिविवादित बालक शामिल हैं, जिन्होंने पुलिस की कड़ी पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। प्राप्त विस्तृत विवरण के अनुसार यह सनसनीखेज घटना 8 अक्टूबर की रात करीब 1:30 बजे घटी, जब सिंगरौली जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमरा निवासी 25 वर्षीय दिलकेश शाह जबलपुर पहुंचे थे। उन्हें यहां से आगे पुणे की यात्रा करनी थी और वे तीन पत्ती चौराहे पर रेलवे स्टेशन जाने के लिए एक ऑटो की तलाश कर रहे थे। इसी दौरान वहां एक ऑटो आकर रुका जिसमें चालक के अलावा एक अन्य किशोर पहले से ही सवार था।

दिलकेश स्टेशन जाने के लिए उसमें सवार हो गए और चालक के साथ महज 20 रुपये में किराया तय हुआ था। थाना प्रभारी श्रीमती शशि धुर्वे ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब ऑटो स्टेशन के समीप सुनसान सड़क पर पहुंचा, तो चालक ने अचानक वाहन रोक दिया और नियत किराये के बजाय यात्री से रंगदारी दिखाते हुए सीधे 20 हजार रुपये की मांग करने लगे। अचानक हुई इस मांग से स्तब्ध होकर जब पीड़ित दिलकेश शाह ने पैसे देने से साफ इंकार किया और ऑटो से उतरकर भागने का प्रयास किया, तो बदमाशों ने उनके साथ भद्दी-भद्दी गालियां देते हुए धक्का-मुक्की शुरू कर दी। इसी बीच ऑटो में बैठे किशोर ने अपने पास रखा धारदार चाकू निकाल लिया और पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी। जब यात्री ने खुद को बचाने की कोशिश की, तो आरोपी किशोर ने उस पर चाकू से वार कर दिया, जिससे चाकू दिलकेश की कमर के दाहिने हिस्से में जा लगा और वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। इसके बाद आरोपियों ने उनकी जेब में रखे 500 रुपये जबरन निकाल लिए। शोर-शराबा सुनकर जैसे ही आसपास के लोगों की भीड़ जुटने लगी, दोनों आरोपी अपने ऑटो में सवार होकर मौके से तेजी से भाग निकले। घायल यात्री की शिकायत मिलते ही सिविल लाईन पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए भारतीय न्याय संहिता धारा 118(1), 126(2), 296 बी, 309(6) और 3(5) के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया।

माढ़ोताल में दबंगई: पांच हजार रुपये न देने पर ड्राइवर के घर का ताला तोड़कर एलईडी टीवी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन में की तोड़फोड़

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र में रंगदारी और आतंक का एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां पांच हजार रुपये की अवैध मांग पूरी न करने पर बदमाशों ने एक ड्राइवर के घर में घुसकर भारी तोड़फोड़ की और कीमती घरेलू सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के वक्त पीड़ित घर पर नहीं था, लेकिन आरोपियों ने ताला तोड़कर इस वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोसाईटी के पीछे, करमेता निवासी 32 वर्षीय अभिषेक पटेल पेशे से ड्राइवर हैं। गत 8 अक्टूबर की रात करीब 3:30 बजे करमेता के ही रहने वाले सौरभ विश्वकर्मा ने उन्हें फोन किया और 'मुखबिरी करते हो' कहते हुए पांच हजार रुपये की मांग की। जब अभिषेक ने पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी ने उन्हें गंदी-गंदी गालियां दीं और जान से देख लेने की धमकी देकर फोन काट दिया। थाना प्रभारी से प्राप्त विवरण के मुताबिक, अगले दिन दोपहर करीब 3:30 बजे जब अभिषेक अपने दोस्त दिलीप चौधरी के साथ घर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि उनके घर के मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है। घर के अंदर जाने पर सारा सामान बिखरा पड़ा था और एलईडी टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज तथा अलमारी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त (तोड़े गए) मिले। घर में रहने वाली किराएदार पूजा नायक ने पूछताछ करने पर बताया कि सौरभ विश्वकर्मा और मोन्टी विश्वकर्मा जबरन घर के अंदर घुसे थे और जमकर तोड़फोड़ की। जब उसने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उसके साथ भी गालीगलौज की और वहां से फरार हो गए। 351(2) और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है और आरोपियों की धरपकड़ के लिए कार्रवाई की जा रही है।

चरगवाँ में बड़ी चोरी: वसूली कर लौट रहे फाइनेंसकर्मी की मोटरसाइकिल से 24 हजार नकद और टैब से भरा बैग चोरी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के चरगवाँ थाना क्षेत्र में एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को निशाना बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां लघुशंका के लिए रुके एक कर्मचारी की मोटरसाइकिल पर टंगा बैग अज्ञात चोरों ने पार कर दिया, जिसमें दिनभर की कड़ी मेहनत से वसूली गई 24 हजार रुपये से अधिक की नकदी और एक डिजिटल टैब रखा हुआ था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेलखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम घुघरा कला निवासी 22 वर्षीय प्रशांत वर्मन 'इसाफ को-ऑपरेटिव सोसाइटी' में लोन की राशि और पैसे एकत्र करने का कार्य करते हैं। घटना 29 सितंबर की है, जब वे सुबह करीब 7:30 बजे शहपुरा से चरगवाँ क्षेत्र में वसूली करने के लिए निकले थे। प्रशांत ने नयागांव, टोटा टोला, सोमती, नयानगर भारतपुर और कुलौन जैसे विभिन्न गांवों से कुल 24,295 रुपये की नकदी एकत्र की थी। थाना प्रभारी से प्राप्त विवरण के मुताबिक, जब प्रशांत अपनी मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 20 एनडी 9887) से वापस लौट रहे थे, तो चरगवाँ और महगवाँ के बीच पुलिया के पास वे लघुशंका के लिए रुके थे। उन्होंने अपनी बाइक पर बैग टांग रखा था। जब वे लघुशंका से लौटकर अपनी मोटरसाइकिल के पास आए, तो देखा कि बाइक पर टंगा बैग गायब था। उस बैग के अंदर वसूली के 24,295 रुपये, कंपनी का काम करने वाला एक टैब और रसीद बुक रखी हुई थी। घटना के तुरंत बाद उन्होंने इसकी सूचना अपने उच्च अधिकारियों को दे दी थी, परंतु अचानक तबीयत खराब हो जाने के कारण वे समय पर थाने आकर रिपोर्ट दर्ज नहीं करा सके थे।



माढ़ोताल में साइबर ठगी के दो बड़े मामले:

वर्क फ्रॉम होम जॉब के नाम पर महिला से 30 हजार की धोखाधड़ी

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



शहर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र में ऑनलाइन ठगी और साइबर धोखाधड़ी के दो अलग-अलग सनसनीखेज मामले सामने आए हैं। पहले मामले में एक व्यक्ति के बैंक खाते से बिना यूपीआई पिन साझा किए यूपीआई के जरिए 60 हजार रुपये पार कर दिए गए, वहीं दूसरे मामले में एक महिला को नामी संस्थान में वर्क फ्रॉम होम जॉब का झांसा देकर 30 हजार रुपये का चूना लगा दिया गया। दोनों पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है। पहला मामला ग्रीनसिटी गजानन परिसर निवासी 53 वर्षीय रमाकांत नेमा का है। 7 अक्टूबर की सुबह करीब 9 बजे वे अपने अपेक्स बैंक (राइट टाउन शाखा) के खाते से फोन पे के जरिए सामान्य पैसे भेज रहे थे, तभी उनके मोबाइल पर अचानक किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन पे पिन डाले जाने का अलर्ट आया। जब उन्होंने अपना बैंक बैलेंस और स्टेटमेंट चेक किया, तो उनके खाते से 10-10 हजार रुपये के कुल 6 ट्रांजेक्शन में 60 हजार रुपये कट चुके थे। बैंक शाखा से संपर्क करने पर पता चला कि यह रकम किसी अन्य व्यक्ति के यूपीआई खाते में ट्रांसफर हुई है। पीड़ित के अनुसार उन्होंने न तो कोई संदिग्ध लिंक खोला था, न ही कोई ओटीपी या ऐप डाउनलोड किया था। पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। वहीं दूसरा मामला अमृत तीर्थ जैन मंदिर के पास करमेता निवासी 29 वर्षीया अंजली जैन का है। अंजली ने लिंकडइन (ख्ढठ्ठद्मद्गस्रढ्ढठ्ठ) ऐप पर वर्क फ्रॉम होम नौकरी के लिए आवेदन कर गूगल फॉर्म भरा था। 23 सितंबर की शाम उनके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें फोन करने वाले ने खुद को 'फिजिक्स वाला' कंपनी का एचआर 'सारिक' बताया। अगले दिन 24 सितंबर को दोबारा फोन कर बताया गया कि उनका चयन फाइनल लिस्ट में हो गया है और उनसे आईडी व पुराना ऑफर लेटर मांगा गया। विश्वास जताने के लिए आरोपी ने अंजली के खाते में पहले 4 हजार रुपये भेजे और फिर वेलकम किट के नाम पर 3600 रुपये की मांग की।

कार की टक्कर से एक्टिवा सवार दो सगी बहनें गंभीर रूप से घायल

कार और एक्टिवा की भिड़ंत में दो बहनें घायल, हादसे के बाद घटनास्थल पर जुटे लोग

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

शहर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र के अंतर्गत कटंगी रोड पर तेज रफ्तार और लापरवाही का एक और दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां ऑफिस जा रही दो सगी बहनों की एक्टिवा को सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में दोनों बहनें गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें राहगीरों की मदद से तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बृंदाबन कॉलोनी, मदर टेरेसा माढ़ोताल निवासी 21 वर्षीय अलीशा यादव गोल बाजार स्थित 'वेल्थ ग्रुप स्टॉक मार्केट' में कार्य करती हैं। गत 9 अक्टूबर की सुबह करीब 10:30 बजे अलीशा अपनी छोटी बहन तनिष्का को एक्टिवा (क्रमांक एमपी 20 एस.आर. 8385) पर पीछे बैठाकर अपने ऑफिस के लिए निकली थीं। थाना प्रभारी से प्राप्त विवरण के मुताबिक, जब दोनों बहनें कटंगी रोड पर स्थित बालाजी अस्पताल के पास रॉयल स्टेट कॉलोनी के सामने पहुंचीं, तभी सामने की दिशा से आ रही एक कार (क्रमांक एमपी 20 सीबी 3062) के चालक ने बेहद तेज गति और लापरवाही से अचानक अपनी कार को बिना किसी संकेत के कॉलोनी की ओर मोड़ दिया। चालक की इस लापरवाही के कारण कार सीधे उनकी एक्टिवा से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बहनें एक्टिवा समेत सड़क पर दूर जा गिरीं। इस हादसे में अलीशा और तनिष्का दोनों के हाथ-पैरों, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए दोनों घायल बहनों को संभाला और तुरंत बालाजी अस्पताल ले जाकर उनका उपचार शुरू कराया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर आरोपी कार चालक के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाना) और 125(ए) (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से फरार कार और उसके चालक की सुरागसाजी में जुटी हुई है।थाना प्रभारी के अनुसार सुबह करीब 10:30 बजे बालाजी अस्पताल के पास रॉयल स्टेट कॉलोनी के सामने सामने से आ रही कार (एमपी 20 सीबी 3062) का चालक तेज गति और लापरवाही से अचानक कॉलोनी की ओर मुड़ा और एक्टिवा से टकरा गया।



न्यूज ब्रीफ

छात्राओं ने ठेले और दुकानों से पॉलीथिन की जब्त, चालान भी किए



ग्वालियर। स्वच्छता ही सेवा संकल्प अभियान के तहत नगर निगम द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई की गई। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देश एवं अपर आयुक्त टी. प्रतीक राव के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थाटीपुर की छात्राओं और शिक्षकों ने नगर निगम की टास्क फोर्स के साथ अभियान में भाग लिया।
अभियान के दौरान छात्राओं और नगर निगम की टीम ने ठेले वालों एवं दुकानदारों से प्रतिबंधित पॉलीथिन जब्त की। वहीं, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ चालानी कार्रवाई भी की गई। इस दौरान दुकानदारों और ठेले वालों को सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने के लिए जागरूक किया गया। नगर निगम के इस अभियान का उद्देश्य शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के साथ ही नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। अभियान में छात्राओं की भागीदारी के माध्यम से आमजन को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

सर्व पितृ अमावस्या पर पितरों की स्मृति में लगाए 11 पौधे



ग्वालियर। सर्व पितृ अमावस्या के पावन अवसर पर पूज्य घनश्याम शास्त्री महाराज के सानिध्य में श्री श्याम सेवा परिवार समिति द्वारा जे.ए.एच. हॉस्पिटल स्थित श्री श्याम रसोई परिसर में अपने पितरों की स्मृति में 11 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके अटेंडरों को सम्मानपूर्वक निःशुल्क भोजन वितरण भी कराया गया। समिति की इस पहल के माध्यम से पितरों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और मानव सेवा का संदेश दिया गया। जरूरतमंद मरीजों एवं उनके परिजनों को सम्मानपूर्वक भोजन कराकर समिति ने सेवा, समर्पण और मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। पूज्य घनश्याम शास्त्री जी महाराज के सानिध्य में श्री श्याम सेवा परिवार समिति निरंतर मानव सेवा के कार्यों में संलग्न है। समिति का उद्देश्य है कि कोई भी जरूरतमंद भूखा न रहे।

माधव प्लाजा के संबंध में जीडीए-अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

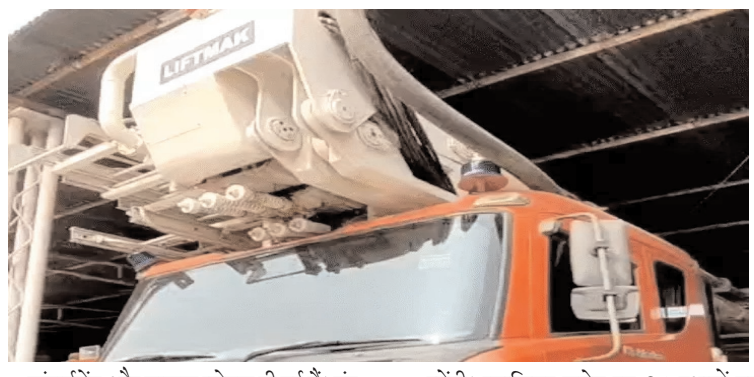


ग्वालियर। एमपीसीसीआई के एक प्रतिनिधि मण्डल ने आज ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष-श्र मधुसूदन भदौरिया से जीडीए कार्यालय में भेंट की और उन्हें 'माधव प्लाजा' में दुकानों की रजिस्ट्री के अवसर पर माँगे जा रहे ब्याज के संबंध में हितग्राहियों की परेशानियों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा । प्रतिनिधि मण्डल में अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल एवं मानसेवी संयुक्त सचिव-दीपक पमनानी शामिल थे । प्रतिनिधिमण्डल ने अध्यक्ष-श्री भदौरिया जी को अवगत कराया कि जब 'माधव प्लाजा' की दुकानें बुक की गई थी, उस समय व्यवसाईयों द्वारा दुकानें बुक कराई गई, परन्तु इसी दौरान हितग्राहियों को पता चला कि इस कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु जीडीए के पास पर्यावरण विभाग की एनओसी ही नहीं हैं, जिसके कारण जीडीए को दुकानें विक्रय करने/रजिस्ट्री करने का अधिकार ही नहीं है । इस पर व्यवसाईयों द्वारा दुकानों की दूसरी व तीसरी किस्त देना बंद कर दिया ।

आग बुझाने के लिए प्रदेश को मिलेंगे 21 आधुनिक वाटर बाउजर:

ग्वालियर समेत 16 नगर निगमों और 5 औद्योगिक क्षेत्रों में होगी तैनाती

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर ।



मध्य प्रदेश में भीषण आगजनी की घटनाओं से निपटने और राहत एवं बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य सरकार अग्निशमन व्यवस्था को आधुनिक और मजबूत करने जा रही है। इसके तहत प्रदेश के सभी 16 नगर निगमों और 5 प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों सहित कुल 21 स्थानों पर 12 हजार लीटर पानी की क्षमता वाले आधुनिक वाटर बाउजर तैनात किए जाएंगे। 'मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी' ने इन अत्याधुनिक वाहनों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये वाटर बाउजर बहुमंजिला इमारतों, बड़ी औद्योगिक इकाइयों और भीषण आगजनी की घटनाओं में त्वरित बचाव कार्य करने में बेहद मददगार साबित होंगे। इन वाहनों की प्रमुख तकनीकी विशेषताएं निम्नलिखित हैं: क्षमता और बनावट: इन वाहनों का कुल भार करीब 28 टन होगा और इनमें 12 हजार लीटर पानी की क्षमता वाला टैंक होगा। टैंक 304 ग्रेड स्टेनलेस स्टील से बना होगा, जिसमें वाहन संचालन के दौरान पानी के बहाव को नियंत्रित करने के लिए 10 कंपार्टमेंट और बाफल प्लेट्स दी गई हैं। पंप और जल प्रवाह: इनमें हाई-प्रेशर सेंट्रीफ्यूगल पंप लगाए गए हैं। सामान्य मोड में यह पंप 3,000 लीटर प्रति मिनट की दर से पानी फेंक सकेगा, जबकि हाई-प्रेशर मोड में इसकी क्षमता 250 लीटर प्रति मिनट होगी। सामान्य मोड में दबाव 10 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर और हाई-प्रेशर मोड में 40 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर तक रहेगा। अतिरिक्त सुविधाएं: आग बुझाने की क्षमता बढ़ाने के लिए वाहनों में वाटर मॉनिटर, फोम सिस्टम, जीपीएस (तक्क), मोबाइल डेटा टर्मिनल (स्क्ष्ज्ञ) और रात में या कम रोशनी में राहत कार्य के लिए लाइट मास्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद रहेंगी। ग्वालियर समेत इन 21 स्थानों पर होगी तैनाती इस योजना के दायरे में प्रदेश के सभी नगर निगमों और प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को शामिल किया गया है: 16 नगर निगम: ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, उज्जैन, देवास, मुरैना, सतना, सागर, रतलाम, रीवा, कटनी, सिंगरौली, छिंदवाड़ा, बुरहानपुर और खंडवा। 5 प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र: पीथमपुर (धार), मंडीदीप (रायसेन), बानमोर (मुरैना), मालनपुर (भिंड) और मेघनगर (झाबुआ)। योजना के अनुबंध होने के 12 महीनों के भीतर संबंधित नगरीय निकायों के अग्निशमन कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ग्वालियर में जर्जर दीवार ढहने से 71 वर्षीय माली की मौत के मामले में दो पर केस दर्ज, सीसीटीवी फुटेज बना अहम सबूत

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर के सिरोल थाना क्षेत्र स्थित विंडसर हिल्स सोसायटी में हुई 71 वर्षीय महिला माली सावित्री वंशकार की दर्दनाक मौत के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जांच के बाद दो लोगों के खिलाफ गैर-इरादतन हत्या से संबंधित लापरवाही का मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की गई है। इन पर दर्ज हुआ मामला पुलिस जांच में दोनों सोसायटियों के प्रबंधन की गंभीर लापरवाही सामने आने के बाद निम्नलिखित जिम्मेदार लोगों को आरोपी बनाया गया है: मृतका सावित्री वंशकार पिछले 12-13 वर्षों से विंडसर हिल्स सोसायटी में माली का काम कर अपनी आजीविका चला रही थीं। यह घटना 14 सितंबर को दोपहर करीब 3:35 बजे की है, जब वह अपनी रोजमर्रा की ड्यूटी पर थीं। जर्जर दीवार की अनदेखी: विंडसर हिल्स सोसायटी की जिस दीवार के पास काम चल रहा था, वह काफी जर्जर हालत में थी। स्थानीय निवासियों ने पहले भी इस दीवार की स्थिति को लेकर एस्टेट मैनेजर भूपेंद्र गुर्जर को अवगत कराया था, इसके बावजूद न तो उसकी मरम्मत कराई गई और न ही वहां सुरक्षा के कोई इंतजाम किए गए। पेड़ कटाई के दौरान लापरवाही: पास की ही सनवैली सोसायटी में मेंटेनेंस इंचार्ज महेंद्र वाल्मीक की देखरेख में पेड़ों की डालियां काटने का काम चल रहा था। डाल काटते समय सुरक्षा मानकों का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया, जिसके चलते एक भारी-भरकम डाल सीधे विंडसर हिल्स की जर्जर दीवार पर जा गिरी। मलबे में दबने से मौत: डाल गिरने के जोरदार झटके से कमजोर दीवार भरभराकर ढह गई और सावित्री देवी उसके मलबे के नीचे दब गईं। सोसायटी के लोग उन्हें तुरंत एक निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में छाती और पेट में आई गंभीर चोटों को मौत की मुख्य वजह बताया गया है।

25 नवंबर को ग्वालियर में जुटेंगे एक लाख कांग्रेसी:यहीं से करेंगे दिल्ली कूच, ज्ञानेश कुमार के खिलाफ होगी बड़ी रैली

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

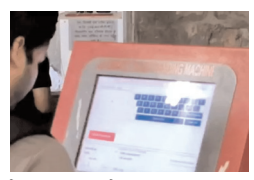


मतदाता सूचियों में कथित गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के मुद्दे पर कांग्रेस अब आंदोलन को मध्यप्रदेश से दिल्ली तक बड़े शक्ति प्रदर्शन में बदलने की तैयारी में है। इसके लिए दो महीने का विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है। इसी कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश कांग्रेस ने प्रदेश के सभी 71 संगठनात्मक जिलों से करीब एक लाख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जुटाने का लक्ष्य तय किया है। एमपी कांग्रेस के संगठन प्रभारी डॉ. संजय कामले के मुताबिक, 25 नवंबर को ग्वालियर में करीब एक लाख कांग्रेसियों को जुटाया जाएगा और 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर उन्हें दिल्ली ले जाया जाएगा। दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बड़ी रैली होगी। डॉ. कामले ने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ ने दो महीने का कार्यक्रम बनाकर उसका परिपत्र प्रदेश कांग्रेस को भेजा है। उसी के आधार पर प्रदेश, जिला और ब्लॉक स्तर पर मार्च, प्रदर्शन और जनसंपर्क कार्यक्रम किए जा रहे हैं। कांग्रेस एसआईआर के समय से ही मतदाता सूची के मुद्दे को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मतदाता सूची से जुड़े काम के लिए अलग विभाग बनाकर काम किया जा रहा है। कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूचियों में नाम काटने और जोड़ने की प्रक्रिया में पारदर्शिता जरूरी है और इसी मुद्दे को लेकर पार्टी लगातार आंदोलन कर रही है। कांग्रेस के दो महीने के कार्यक्रम में 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में मेगा राष्ट्रीय रैली का भी कार्यक्रम है। इसमें गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे। ढ्ढष्ट्ठ ने सभी प्रदेश, जिला, ब्लॉक, फ्रंटल संगठनों और जमीनी कार्यकर्ताओं से इसमें भागीदारी का आह्वान किया है। इसके बाद आंदोलन का सबसे बड़ा चरण 25 और 26 नवंबर को होगा।ढ्ढष्ट्ठ के रोडमैप में 25-26 नवंबर को 'दिल्ली चलो' कार्यक्रम रखा गया है।

दिल्ली में प्रदर्शन के चलते ट्रेनें प्रभावित:

महाकौशल, राजधानी और संपर्क क्रांति समेत 10 से अधिक ट्रेनें रद्द, यात्री परेशान-विवश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



दिल्ली में शनिवार (10 अक्टूबर 2026) को एक राजनीतिक प्रदर्शन के चलते देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने-जाने वाली रेल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। इसका सबसे बड़ा असर मध्य प्रदेश से दिल्ली जाने वाले मुख्य रूट पर देखने को मिला है। इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और रतलाम जैसे प्रमुख शहरों से नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन की ओर जाने वाली 10 से अधिक ट्रेनों को 9 और 10 अक्टूबर के लिए पूरी तरह रद्द कर दिया गया है। ट्रेनों के अचानक निरस्त होने से न केवल दिल्ली जाने वाले बल्कि वहां से वापस लौटने वाले यात्री भी भारी मुश्किलों में फंस गए हैं, जिससे मध्य प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में रेल परिचालन पूरी तरह लड़खड़ा गया है। मध्य प्रदेश का ग्वालियर शहर दिल्ली रूट का एक अति महत्वपूर्ण केंद्र है, जहाँ से दक्षिण भारत और मध्य भारत की कई ट्रेनें गुजरती हैं। ट्रेनें रद्द होने के कारण ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर सुबह से ही यात्रियों की भारी भीड़ और अफरातफरी का माहौल रहा। स्टेशन पर लगातार यही घोषणा गूंजती रही– 'यात्रीगण ध्यान दें, यह ट्रेन रद्द कर दी गई है। ' महाकौशल एक्सप्रेस, गोंडवाना एक्सप्रेस, भोपाल एक्सप्रेस (शान-ए-भोपाल), एमपी संपर्क क्रांति, यूपी संपर्क क्रांति और राजधानी एक्सप्रेस जैसी वीआईपी और महत्वपूर्ण ट्रेनें आज (10 अक्टूबर) नहीं चलीं, जिससे पहले से आरक्षित टिकट बुक करा चुके यात्रियों को भारी आक्रोश और निराशा का सामना करना पड़ रहा है। कई यात्री बिना टिकट रिफंड की लंबी लाइनों में खड़े नजर आए, तो कुछ मजबूरी में जनरल डिब्बों या अन्य वैकल्पिक साधनों से सफर करने को विवश हैं।

ऊर्जा मंत्री की अपील : पंडालों में बिजली चोरी रोकें, अस्थायी कनेक्शन लेकर करें मां दुर्गा की आराधना

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



जिले समेत पूरे मध्य प्रदेश में आज से शारदीय नवरात्र का महापर्व शुरू हो रहा है। इस दौरान जगह-जगह भव्य देवी पंडाल सजाए जाएंगे, जहां मां दुर्गा की आराधना के साथ ही भव्य विद्युत सज्जा की जाएगी। त्योहारों के इस उल्लास के बीच किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने और बिजली चोरी पर रोक लगाने के लिए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रदेशभर की आयोजन समितियों से विशेष अपील की है। ऊर्जा मंत्री ने समितियों से आग्रह किया है कि वे पंडालों में अवैध रूप से या कटिया डालकर बिजली का उपयोग करने के बजाय विधिवत अस्थायी कनेक्शन लेकर ही मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करें। ऐसा करने से न सिर्फ बिजली चोरी रुकेगी, बल्कि शॉर्ट सर्किट और करंट लगने जैसे हादसों का खतरा भी काफी हद तक टल जाएगा। आयोजनों के दौरान बिजली चोरी और ओवरलोडिंग की समस्या आम तौर पर बढ़ जाती है। कई बार आयोजक सीधे बिजली की मुख्य लाइन से तार जोड़ लेते हैं, जिससे एक तरफ जहां ऊर्जा विभाग को भारी राजस्व का नुकसान होता है, वहीं दूसरी तरफ खुले तारों, घटिया वायरिंग और ओवरलोडिंग के कारण आग लगने या करंट फैलने का गंभीर खतरा बना रहता है। पंडालों में उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। हालांकि, धार्मिक आयोजनों की संवेदनशीलता को देखते हुए कई बार मैदानी अमला और अधिकारी सख्त कार्रवाई करने से बचते हैं, जिसका फायदा उठाकर नियमों को ताक पर रख दिया जाता है।

ग्वालियर में आधी रात ठेकेदार को फोन पर धमकाने वाला गिरोह सक्रिय : दी जान से मारने की धमकी

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



शहर के महाराजपुरा थाना क्षेत्र के डीडी नगर इलाके में एक ठेकेदार को आधी रात फोन पर गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि पहले एक आरोपी ने फोन कर धमकाया और उसके कुछ ही देर बाद दूसरे आरोपी ने भी कॉल कर जान से खत्म करने की धमकी दी। लगातार मिल रही धमकियों से दहशत में आए ठेकेदार ने महाराजपुरा थाने पहुंचकर इस बात की शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह घटना गत 9 अक्टूबर की रात करीब 1:00 बजे की है। फरियादी नरेंद्र प्रताप सिंह कुशवाह (निवासी एफएच-514, महाराजपुरा) ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वे पेशे से ठेकेदार हैं। रात के वक्त जब वे अपने घर पर थे, तब उनके मोबाइल फोन पर योगेंद्र सिंह नौनेरा का कॉल आया। आरोप है कि फोन उठाते ही योगेंद्र ने बिना किसी ठोस वजह के उन्हें गंदी-गंदी गालियां देनी शुरू कर दीं और जान से मारने की धमकी दी। ठेकेदार इस अचानक आए खतरे और धमकियों को समझ भी नहीं पा रहे थे कि कुछ ही पलों बाद मोनू भदौरिया बिजोरा की तरफ से भी उनके मोबाइल पर एक और कॉल आ गया। इस दूसरे कॉलर ने भी फोन पर गाली-गलौज करते हुए उन्हें धमकाया। फरियादी के मुताबिक, आरोपियों ने फोन पर धमकी देते हुए साफ शब्दों में कहा, 'तू बहुत ज्यादा हवा में उड़ रहा है, इसे अच्छे से समझ लेना।

ग्वालियर में अचलेश्वर महादेव न्यास चुनाव आज

9 पदों के लिए 45 उम्मीदवार मैदान में, सदस्यों की मतगणना 7 दिन बाद कराने पर विरोध

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर



अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास की नई कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। कोर्ट के निर्देश पर 11 अक्टूबर को मतदान कराया जाएगा। चुनाव में नौ पदों के लिए करीब 44 से 45 उम्मीदवार मैदान में हैं। हालांकि, कार्यकारिणी सदस्य पदों की मतगणना सात दिन बाद कराने के प्रस्ताव पर उम्मीदवारों ने आपत्ति जताई है। उनकी मांग है कि सभी पदों की मतगणना एक ही दिन कराकर परिणाम घोषित किए जाएं, ताकि उम्मीदवारों को नतीजों के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े। मतदान रविवार 11 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक एमएलबी कॉलेज परिसर में होगा। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन ने उम्मीदवारों को नियमों की जानकारी दी है। मतदान केंद्र पर सुरक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में रहेगी। मतदान करने के लिए मतदाताओं को न्यास का पहचान पत्र, आधार कार्ड या कोई अन्य सरकारी पहचान पत्र साथ लाना होगा। पहचान पत्र पर मतदाता का नाम और पता दर्ज होना जरूरी है। मतदान कक्ष में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा मतदान स्थल के 300 मीटर के दायरे में प्रत्याशियों और उनके समर्थकों को प्रचार करने की अनुमति नहीं होगी। प्रशासन ने सभी उम्मीदवारों को चुनाव संबंधी नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम नरेंद्र यादव ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उम्मीदवारों को नियमों से अवगत कराया गया है। पूरी प्रक्रिया पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में संपन्न कराई जाएगी। चुनाव से पहले मतगणना की समय-सीमा को लेकर विवाद सामने आया है। कार्यकारिणी सदस्य पद के प्रत्याशी मोहन अग्रवाल और गोपालदास बघेल ने मतगणना में देरी के प्रस्ताव पर सवाल उठाए हैं। प्रत्याशियों के अनुसार, अन्य पदों के परिणाम मतदान के दिन घोषित करने की बात कही जा रही है, जबकि कार्यकारिणी सदस्यों की मतगणना और परिणाम सात दिन बाद घोषित करने का प्रस्ताव है। उनका कहना है कि इस व्यवस्था से उम्मीदवारों को नतीजों के लिए एक सप्ताह तक इंतजार करना पड़ेगा। प्रत्याशियों ने मांग की है कि सभी पदों की मतगणना एक ही दिन कराई जाए, ताकि चुनाव प्रक्रिया जल्द पूरी हो सके और परिणाम को लेकर किसी तरह की अनिश्चितता न रहे। गोपालदास बघेल ने मांग की है कि कार्यकारिणी सदस्य पदों की मतगणना सोमवार को कराई जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि सुबह मतगणना कराना संभव नहीं है, तो दोपहर 2 बजे के बाद का समय निर्धारित किया जा सकता है। प्रत्याशियों ने री-काउंटिंग यानी दोबारा मतगणना की स्थिति में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया को लेकर भी असमंजस जताया है। उनका कहना है कि मतगणना की समय-सीमा और दोबारा गिनती से जुड़े नियम पहले ही स्पष्ट कर दिए जाने चाहिए, ताकि चुनाव के बाद विवाद की स्थिति न बने।

संपादकीय

विपक्षी आंदोलन के मायने

विपक्ष का विरोध-प्रदर्शन, भीड़नुमा आंदोलन अपने साथ कई पक्ष जोड़ रहा है। रेलवे ने खुलासा किया है कि बीती 8 अक्तूबर को दोपहर 12 बजे के बाद, प्रदर्शन की भीड़ के कारण, करीब 5000 लोगों की ट्रेन छूट गई। जाहिर है कि वे अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाए। राजधानी दिल्ली के कनॉट प्लेस से ही गुजर कर लोग नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक पहुंचते हैं। कनॉट प्लेस के सागर रत्ना और मोएट्स में ही विपक्ष के सांसदों का लंच तय किया गया था, लिहाजा वहां अप्रत्याशित, अवांछित भीड़ थी। दोनों रेस्टॉरेंट के आसपास की दुकानें बंद रखनी पड़ीं, फुटपाथ पर कारोबार करने वाले अपना सामान नहीं बिछा सके, आम लोगों की सामान्य आवाजाही बाधित हुई, सबसे शर्मनाक और अलोकतांत्रिक यह रहा कि कांग्रेस कार्यकताओं ने श्रीनगर (कश्मीर) के एक मुस्लिम नौजवान की खूब पिटाई की। यह अराजकता, गुंडागर्दी नहीं तो क्या है? उस नौजवान का कसूर सिर्फ यह था कि वह अपने देश को नेपाल और बांग्लादेश नहीं बनने देना चाहता था। भारत के नागरिक होने के नाते यह उसका मानवाधिकार और नागरिक अधिकार था कि वह अपनी आवाज बुलंद कर सके। कांग्रेस और विपक्ष अपनी मांग, जिद पर अड़े हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार गुप्ता को बर्खास्त किया जाए। यह मांग ही गलत और असंवैधानिक है। जब तक सीईसी खुद इस्तीफा देने को तैयार नहीं हो जाते, तब तक कोई भी उन्हें पद से हटा नहीं सकता। उन्हें संवैधानिक संरक्षण प्राप्त है। बेशक विपक्ष संसद में महाभियोग प्रस्ताव ला सकता है, लेकिन लोकसभा में ही कुल 540 में से 184 सांसद ही विपक्षी खेमे में हैं। महाभियोग पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत, यानी 360 सांसदों का समर्थन, अनिवार्य है। लोकसभा में द्रमुक के 22 सांसद इंडी गठबंधन से अलग हो चुके हैं। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के 28 सांसदों में से 20 सांसदों ने पाला बदल लिया है और वे एनडीए के खेमे में चले गए हैं। उनकी सांसदी पर स्पीकर ओम बिरला का फैसला अभी आना है। आम आदमी पार्टी के सांसद भी इंडी ब्लॉक छोड़ चुके हैं। राहुल गांधी किन 300 सांसदों की गिनती करा रहे हैं! बहरहाल संसद में महाभियोग पारित होने की संभावनाएं भी नगण्य हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बेहद सनसनीखेज आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, सीईसी ज्ञानेश कुमार और सरसंघचालक मोहन भागवत ने आपराधिक साजिश करके हिंदुस्तान को हाईजैक कर लिया है, संविधान को नष्ट करने की कोशिश की है, वोट चोरी कराई है। राहुल गांधी के इस गंभीर, खोखले आरोप को संघ अदालत में चुनौती देने पर विचार कर रहा है। दरअसल हम आंदोलन-विरोधी नहीं हैं। यह विपक्ष ही नहीं, सभी भारतीयों का बुनियादी संवैधानिक अधिकार है कि सडकों पर विरोध-प्रदर्शन करें।

अलबत्ता यह विरोध सोद्देश्य होना चाहिए। जब मुद्दा सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है और 27 अक्तूबर को सुनवाई होनी है, शीर्ष अदालत में विपक्ष का भी विश्वास है, तो सडकों पर क्यों बिछा जाए? पुलिस कर्मियों पर लात, घूंसे और कोहनी से प्रहार क्यों किए जाएं? यह किस शांतिपूर्ण, गांधीवादी आंदोलन या विरोध-प्रदर्शन की भाषा है? सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के 42 सेवानिवृत्त जजों ने चुनाव आयोग और सीईसी का समर्थन करते हुए खुला पत्र लिखा है कि संवैधानिक संस्थाओं का इस कदर विरोध किया जाता रहेगा, तो उससे लोकतंत्र ही अस्थिर होगा। बहरहाल हम भी एसआईआर के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन देश के एक भी नागरिक का मताधिकार छीना जाएगा, तो उसका धुर विरोध किया जाएगा।

हमने कई विश्लेषणों में एसआईआर की खामियों, गलतियों, विसंगतियों को उजागर किया है, लेकिन अब चुनाव आयोग ने नए सिरे से 20 राज्यों में विशेष अभियान चला कर अपनी गलतियां सुधारने की पहल की है, तो उसे स्वीकारना भी चाहिए। चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार का पूरक नहीं है। यह चेहरा भी बदल जाएगा, लेकिन चुनाव आयोग भारत का विश्वास, लोकतंत्र का आधार, निष्पक्षता का उदाहरण रहा है, लिहाजा प्रत्येक गतिविधि, आंदोलन और विरोध-प्रदर्शन मयार्दा और गरिमा के दायरे में ही होना चाहिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से विपक्ष के 10 प्रमुख नेता मुलाकात करेंगे, तो क्या सीईसी को बर्खास्त करने का आग्रह करेंगे अथवा एसआईआर को रद्द करने की मांग करेंगे!

औद्योगिक प्रदूषण : एक खतरनाक बुराई

प्रदूषण केवल औद्योगिक स्थल तक ही सीमित नहीं रह सकता, क्योंकि प्रदूषित हवा और पानी आसपास और नदी के माध्यम से नीचे दूर तक पहुंच जाता है। इसलिए पंजाब तक यह खतरा फैलता जा रहा है

कुलभूषण उपमन्यु

> गत दिनों हिमालय नीति अभियान और उससे जुड़े हुए कई संगठनों ने नालागढ़ में विरोध प्रदर्शन करके अपनी चिंता प्रकट की और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर इस स्थिति को सुधारने की मांग की है। अभियान के संयोजक गुमान सिंह ने बताया कि कुछ इकाइयों के आसपास तो बदबू से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। उद्योगों में हिमाचल के 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 68650 लोगों को काम मिला है

वर्तमान सभ्यता मूलतः औद्योगिक सभ्यता है। दैनिक जरूरतों के सामानों से लेकर सब तरह के ऊर्जा, सुरक्षा, परिवहन, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण आदि से संबंधित सामान और उपकरण बड़े पैमाने पर उद्योगों में ही बनाना संभव है। इसलिए दुनिया भर में उद्योगों की स्थापना की होड़ लगी रहती है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाएं औद्योगीकरण पर ही टिकी हुई हैं, इसलिए कोई भी उद्योगों से पैदा होने वाली पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय समस्याओं पर बोलना नहीं चाहता। लेकिन हर सहनशीलता की भी एक सीमा है। उद्योग एक ओर रोजगार देकर आम आदमी को राहत देते हैं, तो दूसरी ओर हवा, पानी, मिट्टी को प्रदूषित करके जीवनयापन की स्थितियों को बीमारियों के भंवर में फंसा देते हैं। पर्यावरण को पहुंचने वाले नुकसान के आधार पर उद्योगों को शून्य से एक सौ के स्केल से मापा जाता है। 60 सूचकांक से ज्यादा प्रदूषक उद्योगों को लाल सूची में डाला गया है। सीमेंट, खनिज तेल रिफाइनरी, बड़े स्तर का खनन, ताप विद्युत परियोजनाएं और रासायनिक उत्पादन इकाइयों को इस श्रेणी में रखा गया है। इस श्रेणी के लिए पर्यावरणीय कानूनों के अंतर्गत उद्योग स्थापना और चालू करने के लिए स्वीकृति के सख्त प्रावधान हैं। दूसरी श्रेणी संतरी है। इसमें 41 से 59 प्रदूषण सूचकांक तक के उद्योग आते हैं। इसमें कम प्रदूषक गतिविधि वाले उद्योग आते हैं, जैसे खाद्य प्रसंस्करण, स्टोन क्रशर, ईंट भठ्ठे और मध्यम दर्जे के उत्पादन। इनके लिए सामान्य स्थापना और प्रचालन स्वीकृतियां लेनी होती हैं।

तीसरी श्रेणी हरित श्रेणी कहलाती है। इसमें 21 से 40 तक प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग आते हैं। इसमें आरा मशीनें, पारंपरिक शिल्प और छोटे मसाला पिसाई इकाइयां आती हैं। इनके लिए स्वीकृतियां तो चाहिए होती हैं, किन्तु लंबे समय तक स्वीकृति प्रदान की जाती है। चौथी श्रेणी श्वेत श्रेणी है। 0 से 20 प्रदूषण सूचकांक वाले उद्योग इसमें आते हैं। इसमें सौर ऊर्जा प्लांट, वायु ऊर्जा प्लांट और बाईसिकल असेंबली जैसे उद्योग आते हैं। इनके लिए स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं है, केवल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सूचना मात्र देनी होती है।

हिमाचल में बद्दी, बरोटीवाला, नालागढ़ में सबसे ज्यादा उद्योग स्थापित हैं। करीब 3000 इकाइयां यहां स्थापित हैं जिनमें से 380 लाल श्रेणी की, 1400 संतरी श्रेणी की हैं। इनमें से 500 के लगभग इकाइयां जहरीली गैसें वातावरण में छोड़ रही हैं। कुछ के पास तो प्रचालन स्वीकृतियां भी नहीं हैं। अधिकांश अपशिष्ट उपचार संयंत्र कम क्षमता के हैं या अकुशल हैं। शिवालिक अपशिष्ट प्रबन्धन प्लांट भी मनमर्जी से काम करता है। कई उद्योगों पर प्रदूषित पदार्थों को जमीन में पंप करके डाल देने का आरोप है। यह राज्य के अंदर और पड़ोसी राज्यों में भी स्वास्थ्य से बड़े खिलवाड़ का मामला है। अतः पूरी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। यह औद्योगीकरण के अंध विरोध का भी मामला नहीं है। किन्तु टिकाऊ और जन अभिमुख विकास के लिए औद्योगिक प्रदूषण पर नियंत्रण होना ही चाहिए, वरना विकास का अर्थ ही अनर्थ में बदल जाता है। यहां से प्रदूषित वायु और जल पंजाब को भी प्रभावित कर रहा है। पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जांच के बाद हिमाचल के बोर्ड को लिखा भी है कि इस क्षेत्र का प्रदूषित अपशिष्ट सतलुज तक पहुंच रहा है। अवैध डंपिंग से रिस कर कुछ अपशिष्ट सिरसा नदी को प्रदूषित कर रहा है जिसका असर हरियाणा तक हो रहा है। औद्योगिक अपशिष्ट को इस तरह स्वास्थ्य के लिए खतरा बनने नहीं दिया जा सकता।

गत दिनों हिमालय नीति अभियान और उससे जुड़े हुए कई संगठनों ने नालागढ़ में विरोध प्रदर्शन करके अपनी चिंता प्रकट की और प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर इस स्थिति को सुधारने की मांग की है। अभियान के संयोजक गुमान सिंह ने बताया कि कुछ इकाइयों के आसपास तो बदबू से गुजरना तक मुश्किल हो गया है। उद्योगों में हिमाचल के 2023 के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 68650 लोगों को काम मिला है, शेष करीब 26000 कर्मचारी बाहरी राज्यों से हैं। किन्तु इसके बदले पर्यावरणीय बबार्दी और स्वास्थ्य के लिए प्रत्यक्ष और परोक्ष खतरे को फैलने की इजाजत नहीं दी जा सकती। गत दिनों कुछ शोध सामने आए हैं जिनसे पता चला है कि हिमाचल में स्वास्थ्य की स्थितियां चिंताजनक होती जा रही हैं। विशेषकर कैंसर जैसे रोगों का फैलाव राष्ट्रीय औसत से ज्यादा हो गया है। बीबीएन में काम करने वाले मजदूर या अन्य कार्यकर्ता भी इस दंश से बचे नहीं हैं। अशुद्ध जल के कारण पीलिया जैसे रोग आम हैं जिसकी चपेट में आकर कई जान गंवा चुके हैं। औद्योगिक कार्यकताओं के लिए इलाज की भी उचित व्यवस्थाएं नहीं हैं जिसके चलते मुश्किल से न्यूनतम मजदूरी पर काम करने वाले महंगे इलाज तक पहुंच ही नहीं पाते। बीबीएन विकास योजना में ही उद्योग, बौय्लर, गैसों का उत्सर्जन, अपशिष्ट जलाना और रासायनिक कणों के उत्सर्जन को वायु प्रदूषण का कारण माना गया है, जिससे खांसी, गले में खराश, बलगम, श्वास, ब्रोंकाईटिस, अन्य श्वसन संबंधी रोग, फेफड़ों के कार्य में कमी, आंखों में जलन जैसे रोगों में वृद्धि हुई है। 2026 के एक वैज्ञानिक अध्ययन में 50 भूजल के नमूनों का अध्ययन किया गया था, जिसमें 78 फीसदी नमूनों में जल पीने योग्य नहीं पाया गया। संखिया और फ्लोराइड की उपस्थिति चिंताजनक मानी गई, जिससे चरम रोग, हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर का खतरा बढ़ा है।

फ्लोराइड से दांतों का फ्लूरोसिस आदि का खतरा बढ़ा है। बच्चों के लिए यह खतरा ज्यादा है। प्रदूषण केवल औद्योगिक स्थल तक ही सीमित नहीं रह सकता, क्योंकि प्रदूषित हवा और पानी आसपास और नदी के माध्यम से नीचे दूर तक पहुंच जाता है। इसलिए पंजाब तक यह खतरा फैलता जा रहा है। इसी कारण गत दिनों प्रदूषण विरोधी प्रदर्शन में पंजाब से भी लोग शामिल हुए। अतः अब हिमाचल के औद्योगिक सफर को निरापद और टिकाऊ औद्योगिक विकास के अनुकूल बनाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण पर सख्त कदम उठाने का समय आ गया है, जिसके लिए एकल स्तर पर उपचार संयंत्रों का ठीक से काम करना सुनिश्चित किया जाना चाहिए और केंदुवाल स्थित सामूहिक अपशिष्ट संशोधन संयंत्र की क्षमता-वर्धन और सतत कार्यशीलता सुनिश्चित की जानी चाहिए।

नारी सशक्तीकरण का पर्व है नवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है उसकी पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवें दिन एक यज्ञ किया जाता है। नौवां दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ कुंवारी लड़कियों की पूजा होती है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।



भारत त्योहारों का देश है जहां हर पर्व का अपना एक विशेष महत्व और उससे जुड़ी पौराणिक कथा होती है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है नवरात्रि । यह पर्व मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना और शक्ति आराधना का प्रतीक है। नवरात्रि मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है। जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तीकरण का प्रतीक माना जाता है।

नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें। इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं, चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतौर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ति और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने-कोने में श्रध्दा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि। वसन्त की शुरूआत और शरद ऋतु की शुरूआत, जलवायु और सूरज के प्रभावों का महत्वपूर्ण संगम माना जाता है। इन दो समय मां दुर्गा की पूजा के लिए पवित्र अवसर माने जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आती है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है। नवरात्रि की नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटाने वाली होता है।

नवरात्रि एक प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्योहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाई जाती है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलने वाला त्योहार है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग-अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती हैं। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है उसकी पूजा की जाती है। नवरात्रि के चौथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवें दिन एक यज्ञ किया जाता है। नौवां दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ कुंवारी लड़कियों की पूजा होती है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गईं थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिंता कम होती है।

शारदीय नवरात्र का प्रथम दिवस आज, माँ के स्वागत में जुटे श्रद्धालु

हे जगजननी, तुम्हें प्रणाम...

शक्ति की उपासना के महापर्व शारदीय नवरात्र की आज से धूमधाम से शुरुआत हो गई है। पहले दिन प्रथम स्वरूपा माँ शैलपुत्री के दर्शन-पूजन के लिए अलसुबह से ही देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। घरों और पंडालों में घटस्थापना के साथ ही नौ दिवसीय अनुष्ठान शुरू हो गए हैं।

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

वि.सं. शक्ति उपासना के सबसे बड़े पर्व नवरात्र (शारदीय) का आज से शुभारंभ हो रहा है। शहर में जगजननी के स्वागत की तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। एक तरफ प्रसिद्ध मंदिरों में वैदिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शहर में जगह जगह भव्य तथा सुंदर पंडालों में देवी की स्थापना कर आराधना की जायेगी। इसके साथ ही शहर में आयोजित होने वाले अन्य कई सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गरबा और डांडिया के साथ-साथ देवी जागरण और दुर्गा सप्तशती पाठ का दौर भी चलेगा। वहीं भोपाल जिले में स्थित तरावली हरसिद्धि माता मंदिर, काली मंदिर कालीघाट में होने वाले विशेष वैदिक अनुष्ठान शारदीय नवरात्र को महोत्सव जैसी भव्यता प्रदान करेंगे। शहर के नए और पुराने क्षेत्रों में सजाये गए झांकी पंडालों में बच्चों और महिलाओं के लिए विशेष आकर्षक खेलों, प्रतियोगिताओं समेत अन्य कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पहले दिन होती है माँ शैलपुत्री की पूजा

नवरात्र के पहले दिन माँ दुर्गा के प्रथम स्वरूप माँ शैलपुत्री की पूजा होती है। पर्वतराज हिमालय की पुत्री होने से इन्हें शैलपुत्री कहा गया है। इनके एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल है, जो शक्ति तथा शांति संतुलन को परिभाषित करते हैं। माँ शैलपुत्री के ज्ञात स्वरूप के अनुसार वे वृषभ पर सवार हैं तथा धवल वस्त्र धारण करने वाली देवी हैं। शास्त्रों में मान्यता है कि माँ शैलपुत्री की आराधना से चंद्र दोष दूर होता है, मन में स्थिरता, साहस और आरोग्य की प्राप्ति होती है। प्रथम दिन इनकी पूजा से ही नवरात्र की साधना का आधार मजबूत होता है। इस दिन सफेद वस्त्र और सफेद फूल अर्पित करना अत्यंत शुभ एवं लाभप्रद माना जाता है।

शक्ति की भक्ति में डूबा शहर



नौ दिनों तक चलने वाले शक्ति और उपासना के पर्व शारदीय नवरात्र का आज भव्य आगाज हो गया है। माँ दुर्गा के स्वागत और उनकी आराधना के लिए श्रद्धालु पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक के देवी मंदिरों को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया है, जहां सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई हैं।



हाथी पर सवार होकर आएंगी माँ दुर्गा, जानिए घट स्थापना का शुभ मुहूर्त

धार्मिक और ज्योतिष के जानकारों के अनुसार आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से शुरू होने वाले इस नौ दिवसीय पर्व का शुभारंभ होता है। इस बार माँ दुर्गा का आगमन रविवार होने से हाथी पर होगा, जिसे शास्त्रों में बेहद शुभ और समृद्धि, वर्षा और सुख-शांति का प्रतीक माना गया है। ज्योतिष के विद्वान बताते हैं कि पंचांग के अनुसार प्रतिपदा तिथि विगत रात्रि 09:19 बजे से शुरू होकर आज रात्रि 09:30 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार घट स्थापना तथा पूजन आज (रविवार को) करना ही शुभ एवं शास्त्र सम्मत होगी। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार कलश स्थापना के लिए इस बार दो उत्तम मुहूर्त हैं। प्रातःकाल का मुख्य मुहूर्त सुबह 06:19 बजे से सुबह 10:12 बजे तक बताया गया है। जिसकी अवधि कुल 3 घंटा 53 मिनट है यही सबसे उत्तम माना गया है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक रहेगा। जो लोग सुबह पूजन स्थापना आदि नहीं कर पाएं, वे इस मुहूर्त में स्थापना कर सकते हैं। पंडितों के अनुसार रात में और चित्रा नक्षत्र-वैधृति योग के प्रथम चरण में घट स्थापना नहीं करनी चाहिए। कलश में जल, गंगाजल, आम के पत्ते, नारियल, मौली, सुपारी, अक्षत रखकर मिट्टी के पात्र में जौ बोने की परंपरा है, इसे शक्ति के आह्वान का प्रतीक माना जाता है।

महापौर मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की उपस्थिति में छात्राओं को किये पदवेश वितरित



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

''सेवा संकल्प अभियान'' के तहत महापौर श्रीमती मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की उपस्थिति में शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में छात्राओं को पदवेश वितरित किये। ''सेवा संकल्प अभियान'' के अंतर्गत शनिवार को महापौर श्रीमती मालती राय व विधायक भगवानदास सबनानी ने टी.टी.नगर स्थित शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में पदवेश वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया और छात्राओं को अपने हाथों से पदवेश पहनाये एवं शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों ने भी छात्राओं को पदवेश ग्रहण कराये। पदवेश वितरण कार्यक्रम में महापौर परिषद के सदस्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यती, महापौर परिषद के सदस्य आर.के.सिंह बघेल, जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान, श्रीमती आरती अनेजा, पार्षद श्रीमती गिरजा खटीक, पूर्व पार्षदद्वय मुकेश राय व राजेश खटीक सहित विद्यालय की प्राचार्य एवं प्राध्यापकगण, छात्राएं तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

ऑनलाइन टास्क के जाल में फंसाकर युवक से पॉच लाख की ठगी

भोपाल। नौकरी की तलाश कर रहे युवक को ऑनलाइन टास्क के जरिए कमाई का लालच देकर ठगों ने साढ़े पॉच लाख की चपत लगा दी। आरोपियों ने शुरुआत में गूगल पर अलग-अलग ब्रांड को रेटिंग और रिव्यू देने का काम दिया। इसके बदले युवक को भुगतान भी किया, जिससे उसे भरोसा हो गया। बाद में टेलीग्राम ग्रुप में जोड़कर और अधिक कमाई का लालच देते हुए टास्क पूरा करने और फंसी हुई रकम वापस पाने के नाम पर अलग-अलग खातों से रकम ट्रांसफर कराते रहे। आखिर में ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने बागसेवनिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक दानिश नगर निवासी 31 वर्षीय प्रखर कोटवाला ने लिखित शिकायत करते हुए बताया की उसने नौकरी की तलाश में नौकरी डॉट कॉम और लिंक्डइन पर अपना रिज्यूम अपलोड किया था। 21 सितंबर को उसके वाट्सऐप पर अज्ञात नंबर से मैसेज आया। भेजने वाले ने खुद को डिजिटल अड्डा मार्केटिंग एजेंसी से जुड़ा बताते हुए ब्रांड को ऑनलाइन रेटिंग देने के बदले पैसे कमाने का प्रस्ताव दिया। शुरुआती टास्क पूरे करने पर प्रखर के खाते में 150 रुपए जमा किए गए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज करेंगे 502 करोड़ रुपये की आरटीई फीस प्रतिपूर्ति राशि अंतरित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 11 अक्टूबर को नरसिंहपुर जिले में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। इससे प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों के खातों में 502 करोड़ रुपये की राशि अंतरित होगी, जिससे 8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले में 45 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधायुक्त शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी करेंगे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ ही बडी संख्या विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहेंगे। मध्यप्रदेश के सांदीपनी विद्यालय बेहतर शैक्षणिक वातावरण और विद्यार्थियों को आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेश सरकार गरीब एवं वंचित वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। अशासकीय स्कूलों को फीस प्रतिपूर्ति की राशि उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे पात्र विद्यार्थियों की निःशुल्क शिक्षा सुनिश्चित की जा सके। शिक्षा के अधिकार से प्रदेश का कोई भी बच्चा वंचित न रहे, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) अंतर्गत निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 8वीं तक गरीब एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रवेश दिलाया जा रहा है। इन विद्यार्थियों की फीस की प्रतिपूर्ति सरकार द्वारा सीधे संबंधित निजी स्कूलों को की जाती है। योजना अंतर्गत वर्ष 2011 से अब तक 16 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के रूप में 3,600 करोड़ रुपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। इससे जरूरतमंद बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सांदीपनि विद्यालय योजना अंतर्गत प्रथम चरण में नरसिंहपुर जिले में शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन का निर्माण कराया गया है। केजी-1 से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के शैक्षणिक, बौद्धिक, शारीरिक एवं सर्वांगीण विकास के लिए एक आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण तैयार किया गया है। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित डिजिटल क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला, समृद्ध पुस्तकालय, मल्टीपर्पज हॉल एवं ऑडिटोरियम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके साथ ही, विद्यार्थियों की बाह्य शारीरिक गतिविधियों एवं खेलकूद को प्रोत्साहन देने के लिए खेल मैदान, सुगम एवं सुरक्षित आवागमन के लिए परिवहन सुविधा भी प्रदान की जा रही है। वातावरण के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। शैक्षणिक सत्र 2025-26 में नरसिंहपुर के सांदीपनि विद्यालय की मेधावी छात्रा कु. माही साहू ने कक्षा-12वीं की मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

भाजपा महिला मोर्चा ने राहुल गांधी का पुतला जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

नारी सम्मान के मुद्दे पर राहुल गांधी और खड़गे से मांगा जवाब

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**





भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला भोपाल द्वारा शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के समक्ष कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा लगाए गए कथित यौन दुर्व्यवहार के आरोपों तथा विश्वविद्यालय की जांच से जुड़े घटनाक्रम को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर महिला सम्मान, सुरक्षा और न्याय के मुद्दे पर कांग्रेस नेतृत्व से जवाब मांगा गया। प्रदर्शन में भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति की उपस्थिति में महिला मोर्चा की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से अपने सांसद से जुड़े मामले में पार्टी की भूमिका स्पष्ट करने की मांग की। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे ने कहा कि बच्चियों की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले को संसद में रहने का कोई अधिकार नहीं है। कांग्रेस में महिला सम्मान केवल नारों और भाषणों तक ही सीमित रह गया है। अपने ही दल के नेताओं से जुड़े गंभीर मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित करना वास्तविक कांग्रेस की परीक्षा है। उन्होंने सवाल किया कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राओं की शिकायतों और विश्वविद्यालय की जांच से जुड़े घटनाक्रम के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने अपने सांसद के मामले में क्या कदम उठाए हैं?

यह जनता को बताएं। महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका मिश्रा के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की बात करने वाली कांग्रेस को अपने ही दल के नेताओं से जुड़े गंभीर आरोपों पर भी जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। महिला सुरक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर किसी भी प्रकार का दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं किया जा सकता। छात्राओं की शिकायतों के मामले में निष्पक्ष जांच और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित होना आवश्यक है। महिला सम्मान केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन में आचरण के माध्यम से भी प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

सिद्धार्थ लेक सिटी जिनालय से निकली शोभा यात्रा, समाजजनों ने एक दूसरे से मांगी क्षमा, उमड़ा आस्था का सैलाब

भोपाल। सकल दिगंबर जैन समाज, सिद्धार्थ लेक सिटी, भोपाल द्वारा श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान का भव्य विमानोत्सव एवं महामस्तकाभिषक हुआ। अभिषेक, शांतिधारा, संगीतमय पूजन श्री 1008 मुनिसुव्रतनाथ भगवान विधान के साथ अनुष्ठान हुए। राजधानी सहित आसपास के श्रद्धालु प्रभु का अभिषेक पूजा अर्चना करने अपनी श्रद्धा भक्ति आस्था प्रकट कर रहे थे। श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकली।



धर्म प्रभावना के जयकारों के साथ भक्ति नृत्य भी हुए। प्रवक्ता सुनील जैनाविन-अंशुल जैन ने बताया समाज के लोगों ने एक दूसरे से क्षमा मांग कर क्षमा वाणी मनाई। इस अवसर पर पंकज जैन अध्यक्ष, समाजसेवी राजेंद्र सेठी प्रभु के रथ के सारथी बन चवर द्वारा जिनेंद्र प्रभु की भक्ति कर रहे थे। समाज में तप त्याग संयम की साधना करने वालो का बहुमान हुआ। बुजुर्गों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद और उनके जीवन के अनुभव युवाओं ने प्राप्त किए। इस अवसर पर जिनालय को सजाया गया। अध्यक्ष पंकज जैन पदाधिकारियों ने प्रतिभाओं को विशेष सम्मान दिया।



संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

मुंबई नेटफ्लिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, एक दिन मुझे चुंबक के निर्देशक आतिश कपाड़िया का फोन आया और उन्होंने बताया कि वे नेटफ्लिक्स और जेडी के साथ मिलकर एक नया शो बना रहे हैं। ऐसे में उन्होंने मुझे इसके लिए टेस्ट देने को कहा। उनकी बात सुनकर पहले तो मैं हैरान रह गई कि कॉमेडी और मैं ? क्योंकि मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की थी। लेकिन उनकी बात सुनकर मैंने हामी भर दी। संदीपा ने आगे बताया, इसके बाद जब मेरी मुलाकात आतिश कपाड़िया से हुई तो उन्होंने जिस अंदाज़ में मुझे पूरी कहानी सुनाई, वो उससे भी ज्यादा मजेदार था। उन्होंने जिस तरह हर किरदार को खुद निभाकर दिखाया, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई नाटक देख रही हूं। उसी समय मैंने तय कर लिया कि मुझे इस शो का हिस्सा बनना ही है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिलकुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान है। उसे अपने एक्शन से ही कॉमडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।





विजय देवरकोंडा सेट पर बेहद समर्पित रहते हैं उनसे बहुत कुछ सीखती हूं

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रशंसक ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूज़र ने लिखा, 'हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?' इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूं तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।' इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी मां के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोटे-बड़े विवरण ने मुझे यादों में पहुंचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी मां का नाम दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।' इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, '130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।'



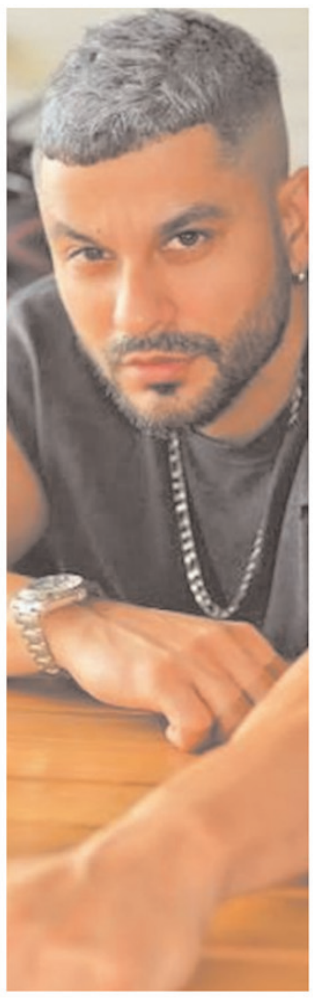


रावी गुप्ता ने बताया कैसे बदल गई टीवी इंडस्ट्री

अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 'दामिनी' (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं 'क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2' की तुलना पहले शो से करूं, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।' अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पॉजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।' उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था। उन्हें तभी अच्छा माना जाता था, जब वह परिवार के लिए कुर्बानी दें।

'हनुमान अंश' पर बोले कुणाल खेमू

अभिनेता-निर्देशक कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का प्रदर्शन सिनेमाघरों में संतोषजनक नहीं रहा। एक बातचीत के दौरान एक्टर ने 'पैन-इंडिया' टैग के बारे में बात की। इसके साथ ही 'हनुमान अंश' के बारे में भी काफी कुछ कहा। कुणाल खेमू ने बातचीत में विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित 'हनुमान अंश' पर भी चर्चा की। महज 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। इस पर एक्टर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ अखिल भारतीय फिल्म है, यह एक अखिल अंतरराष्ट्रीय फिल्म बन गई है। दुनिया भर में हर कोई इस फिल्म को देख रहा है।' उन्होंने आगे अपनी बात को समझाते हुए कहा कि किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। उनके अनुसार, यह टैग काफी हद तक एक व्यापारिक शब्द है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों में कैसा प्रदर्शन करती है।' आगे अपनी बातचीत में कुणाल ने कहा, 'यही हमें उम्मीद देता है। एक कलाकार का सफर कई बार दिल टूटने, आश्चर्यों और चुनौतियों से भरा होता है। इसलिए, अंत में यह सब देखना वाकई दिल को छूने वाला, उत्साहवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो पूरी तरह से कहानी पर आधारित होती हैं और दर्शकों को पसंद आती हैं, और यही बात बहुत मायने रखती है। वे तथाकथित मानदंडों या सफल फिल्म बनाने के किसी तय फॉर्मूले से निर्देशित नहीं होतीं।



विज्ञापन विवाद पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला बेहद लोकप्रिय टॉक शो और पॉडकास्ट 'व्हाट वीमेन वांट' का सीजन 6 जल्द शुरू होने वाला है। इस सीजन में अली फजल, नेहा कक्कड़, महीप कपूर, भावना पांडे, मिकी कॉन्ट्रैक्टर, पंकज त्रिपाठी, कृति सेनन और मीरा राजपूत समेत कई सितारे नजर आएंगे। अब हाल ही में शो का ट्रेलर जारी किया गया, जिसमें देखने को मिला कि कृति अभिनेत्री के साथ रक्षाबंधन विज्ञापन विवाद पर खुलकर बात करते हुए नजर आती हैं। करीना से बात करते हुए कृति ने कहा, 'मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि मेरी चोली प्राइम टाइम न्यूज़ में छह लोगों की पैनल चर्चा का मुद्दा बन गई थी।' इस पर करीना ने कहा, 'मुझे पता है।' शो के आखिर में जब कृति से पूछा गया कि महिलाएं वास्तव में क्या चाहती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, 'जज न किया जाए और लोग अपने काम से काम रखें।' बाद में कृति ने इंस्टाग्राम पर इस विवाद को लेकर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा था कि त्योहारों की असली भावना कपड़ों में नहीं, बल्कि उनसे जुड़े रिश्तों और परंपराओं में होती है। उन्होंने लिखा था, 'त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं के अर्थ में होती है, जिन्हें आप अपने दिल में रखते हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा के रिश्ते का प्रतीक है।' कृति ने आगे लिखा, 'मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम जानते हैं कि हम एक-दूसरे की उतनी ही रक्षा कर सकते हैं, जितनी एक भाई कर सकता है। हम एक-दूसरे की सेहत, खुशी और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना करते हैं। और हमारे लिए यह प्रार्थना और वादा हमारे कुत्तों तक भी जाता है, क्योंकि आखिर वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।' कृति ने महिलाओं के कपड़ों और संस्कृति को लेकर होने वाली बहस पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ एथनिक फैशन बदला है, लेकिन आज भी एक महिला का अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान सिर्फ उसके कपड़ों से मापा जाता है। संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।'



फेम फ्रीडा पिंटो ने दी करियर बदलने की सलाह, हरलीन सेठी ने सुनाया किस्सा



हरलीन सेठी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल क्लासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा।

फ्रीडा उस वक्त फिल्म 'डेजर्ट डांसर' की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली। बातचीत में हरलीन ने बताया, 'जब मैं डांस इंस्ट्रक्टर थी और डांस सीखती और सिखाती थी, तब फ्रीडा पिंटो ने मेरे साथ कुछ क्लासेस की थीं। वह डांस और परफॉर्मेंस सीखना चाहती थीं। उन्हें अपनी बॉडी में थोड़ी एजिलिटी लानी थी। वह फिल्म 'डेजर्ट डांसर' करने जा रही थीं। इसलिए उन्होंने मेरे साथ पर्सनल ट्रेनिंग ली। हमने उनकी बॉडी मूवमेंट और फ्लूडिटी पर काम किया।'

फ्रीडा की बात आज भी याद है

इसी दौरान फ्रीडा ने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। हरलीन के लिए यह बात खास थी, क्योंकि उस वक्त उन्होंने एक्टिंग को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया था। हरलीन ने कहा, 'फ्रीडा पिंटो उन पहले लोगों में से थीं, जिन्होंने मुझसे कहा कि तुम एक्टिंग क्यों नहीं करतीं? जब वह मुझसे डांस सीखती थीं, तो मैं उन्हें परफॉर्म करके दिखाती थी कि ऐसे करना है, ये करो। इसी वजह से हमारी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। वह और उनकी बहन शायना बहुत स्वीट हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। हम साथ में काम किया करते थे।'

मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी

हरलीन उस समय एक्टिंग के बजाय डायरेक्शन में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया, 'मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी। मैंने एडवरटाइजिंग में स्पेशलाइज किया था। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। लेकिन बचपन से यह तय नहीं था कि आखिर करना क्या है। फिर मुझे लगा कि शायद मैं डायरेक्शन करूंगी। डायरेक्टर एक्टर्स का कैप्टन होता है। तो मैंने सोचा कि मैं वहीं से अपनी जर्नी शुरू करती हूं।फिर मैंने बहुत सारी एड फिल्में करना शुरू कीं। वहां से मेरी जर्नी एक्चुअली शुरू हुई ..बिहाइंड द कैमरा।'

इन प्रोजेक्ट्स में दिखीं हरलीन

बता दें कि करीब 13 साल के एक्टिंग सफर में हरलीन 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'सुल्तान ऑफ दिल्ली', 'बी हैप्पी' और 'शक : ट्रस्ट नो वन' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पोलीटेक्निक महाविद्यालय में हरित ऊर्जा पर विशेष व्याख्यान आयोजित

विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को तकनीकी नवाचार एवं रोजगार की संभावनाओं से कराया अवगत

एक सत बुलेटिन, मुरैना

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय पोलीटेक्निक महाविद्यालय, मुरैना में विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान से अवगत कराने के उद्देश्य से 'हरित ऊर्जा क्रांतिः उभरते अवसर और भविष्य की संभावनाएं' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हरित ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास के क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं और रोजगार के अवसरों की जानकारी देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमआईटीएस डीम्ड विश्वविद्यालय, ग्वालियर के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र कुमार चौरसिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना ने की। प्राचार्य श्री सक्सेना ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. सुरेन्द्र कुमार चौरसिया, प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना, मुख्य कार्यक्रम नोडल अधिकारी श्री दिलीप गांगिल, कार्यक्रम नोडल अधिकारी श्री कपिल राजे सहित महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे। मुख्य कार्यक्रम नोडल अधिकारी एवं वरिष्ठ व्याख्याता श्री दिलीप गांगिल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य पारंपरिक सेवा



गतिविधियों के साथ युवाओं को मानसिक एवं तकनीकी रूप से सशक्त बनाना भी है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व तथा इस क्षेत्र में भविष्य के करियर विकल्पों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। युवाओं को पर्यावरण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। मुख्य अतिथि डॉ. सुरेन्द्र कुमार चौरसिया ने अपने व्याख्यान में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन सहित विभिन्न स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ऊर्जा की बढ़ती मांग और पर्यावरणीय चुनौतियों के बीच हरित ऊर्जा का उपयोग समय की आवश्यकता है। नवीकरणीय ऊर्जा कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी उपलब्ध कराती है। उन्होंने विद्यार्थियों को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में उभरती तकनीकों, करियर की संभावनाओं तथा ऊर्जा संरक्षण के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी। साथ ही, दैनिक जीवन में ऊर्जा की बचत करने और पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार अपनाने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना ने कहा कि संस्थान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और समसामयिक विषयों पर तकनीकी ज्ञान बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विद्यार्थियों से हरित ऊर्जा तकनीकों की जानकारी प्राप्त कर देश के सतत विकास में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में रोजगार, अनुसंधान और नवाचार की व्यापक संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विषय में रुचि प्रदर्शित की। व्याख्यान के पश्चात आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा हरित ऊर्जा से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम नोडल अधिकारी श्री कपिल राजे, डॉ. अमित खण्डेलवाल, श्री आर.एस. पंथ, श्री अमित जैन सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया। मंच का संचालन एवं आभार प्रदर्शन मुख्य कार्यक्रम नोडल अधिकारी श्री दिलीप गांगिल ने किया।

शनि अमावस्या मेले में नाई बंधुओं को एचआईवी-एड्स के प्रति किया जागरूक



एक सत बुलेटिन, मुरैना

शनि अमावस्या के अवसर पर ऐंती पर्वत स्थित प्रसिद्ध शनिधाम मेले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा एचआईवी-एड्स के प्रति जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत मुंडन कार्य में लगे नाई बंधुओं को संक्रमण के कारणों, बचाव के उपायों तथा स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही, श्रद्धालुओं को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक मुंडन में नए ब्लेड का उपयोग करने की समझाइश दी गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देशानुसार तथा शनि मेला नोडल अधिकारी डॉ. चंद्रकांत दुबे के मार्गदर्शन में यह अभियान संचालित किया गया। सिविल अस्पताल जौरा के आईसीटीसी काउंसलर ने एमपीडब्ल्यू श्री अर्पण दुबे के सहयोग से नाई जोन में पहुंचकर नाई बंधुओं को एचआईवी संक्रमण से बचाव के संबंध में जागरूक किया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने एचआईवी संक्रमण फैलने के प्रमुख कारणों की जानकारी देते हुए बताया कि संक्रमित रक्त, संक्रमित सुई या उपकरणों के साझा उपयोग तथा अन्य निर्धारित माध्यमों से संक्रमण फैल सकता है।

टीम ने मुंडन के दौरान इस्तेमाल किए गए ब्लेड का दोबारा उपयोग नहीं करने और प्रत्येक श्रद्धालु के लिए नया ब्लेड इस्तेमाल करने पर विशेष जोर दिया। अभियान के दौरान नाई बंधुओं को प्रत्येक मुंडन संस्कार में नए ब्लेड का उपयोग करने की शपथ दिलाई गई। उनकी मांग के अनुसार स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क नए ब्लेड के पैकेट भी वितरित किए गए, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को संक्रमण के जोखिम से बचाने के लिए आवश्यक सावधानी सुनिश्चित की जा सके।

शनिचरी अमावस्या पर शनिधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब



एक सत बुलेटिन, मुरैना

शनिचरी अमावस्या के पावन अवसर पर शनिवार को मुरैना जिले के ग्राम ऐंती स्थित प्राचीन शनिधाम मंदिर में विशाल मेले का आयोजन श्रद्धा, आस्था एवं उत्साह के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मेले में मध्यप्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु भगवान श्री शनिदेव के दर्शन करने पहुंचे। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु दर्शन व्यवस्था के लिए व्यापक तैयारियां की गई थीं। संभावित श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल, स्वास्थ्य, सुरक्षा, यातायात, दर्शन मार्ग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे। कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ एवं पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा ने मध्यरात्रि 12 बजे शनिधाम मंदिर पहुंचकर भगवान श्री शनिदेव का विधिवत तेलाभिषेक किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के द्वार खोले गए। दोनों अधिकारियों ने मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी पूरी रात मुस्तैद रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। श्रद्धालुओं को सुगमता से दर्शन कराने तथा भीड़ का व्यवस्थित प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र में समन्वित रूप से कार्य किया गया। श्रद्धालुओं को शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर विशेष प्रबंध किए गए थे। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में मेले में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए। सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के संचालन के लिए दो पालियों में लगभग 600 पुलिसकर्मियों तथा राजस्व विभाग के लगभग 700 कर्मचारियों की तैनाती की गई थी। बेहतर प्रबंधन की दृष्टि से संपूर्ण मेला क्षेत्र को सात सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर में सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए थे। कार्यपालिक दंडाधिकारी, जिला अधिकारी एवं अन्य मैदानी कर्मचारी मेला स्थल पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं का संचालन करते रहे। स्काउट एवं गाइड दल के सदस्यों ने बुजुर्ग श्रद्धालुओं को दर्शन कराने तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में सराहनीय सहयोग प्रदान किया। समस्त अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, कार्यपालिक दंडाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के मैदानी कर्मचारी व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने में सक्रिय रहे।

शासकीय महाविद्यालय जौरा में सेवा संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित

मुरैना। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत शासकीय महाविद्यालय जौरा में प्राचार्य डॉ. एच.एन. सिंह हाड़ा के मार्गदर्शन में सेवा सेतु एवं सेवा के रंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेवा सेतु कार्यक्रम में प्रभारी डॉ. सी.पी. विमल ने विद्यार्थियों को शासन की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा तकनीकी समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। उन्होंने पात्र विद्यार्थियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इसी क्रम में 'सेवा के रंग-राष्ट्र के संग' कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. नीलम राजपूत एवं डॉ. अंकिता मिश्रा के निर्देशन में छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बनाकर राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना एवं सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन अभियान समन्वयक डॉ. यदुनंदन प्रसाद उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।



राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन

बालक वर्ग फाइनल मुकाबले में रीवा तथा बालिका वर्ग में इंदौर संभाग ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

भिण्ड शहर में चल रही 70वीं राज्य स्तरीय शालेय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीरसिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर पुलिस अधीक्षक श्री निरंजन राजपूत, जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुधांशु द्विवेदी, जिला परियोजना समन्वयक श्री शिवब्रह्म जादौन, प्राचार्य श्री पी.एस. चौहान, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आज इस मैदान का खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी बन सकता है। सीईओ जिला पंचायत श्री वीरसिंह चौहान द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा मैचों के परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें बालक वर्ग फाइनल मुकाबले में रीवा ने भोपाल संभाग को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया, द्वितीय स्थान भोपाल संभाग एवं तृतीय स्थान जबलपुर संभाग ने प्राप्त किया। बालिका वर्ग में इंदौर संभाग ने जनजाति कार्य विभाग को पराजित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जनजाति कार्य विभाग ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा तृतीय स्थान बालिका वर्ग में उज्जैन संभाग ने प्राप्त किया। व्यक्तिगत पुरस्कारों में बालक वर्ग में बेस्ट रेडर श्री आदित्य यादव रीवा संभाग, बेस्ट कैचर नमन अली जबलपुर संभाग एवं बेस्ट ऑलराउंडर राज धाकड़ भोपाल संभाग को मिला तथा बालिका वर्ग में बेस्ट रेडर उमेश्वरी जनजाति कार्य विभाग, बेस्ट कैचर जैविका उज्जैन संभाग तथा वेस्ट ऑलराउंडर इंदौर संभाग की परिणा ने प्राप्त किया।



पंचायतों में रिक्त उपसरपंच पदों के निर्वाचन के लिए सम्मिलन 15 अक्टूबर को आयोजित



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जिले की ग्राम पंचायतों में रिक्त उपसरपंच पदों के निर्वाचन के लिए सम्मिलन आयोजित करने की तिथि 15 अक्टूबर, 2026 (गुरुवार) निर्धारित की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, स्थानीय निर्वाचन द्वारा मध्यप्रदेश पंचायत निर्वाचन नियम 1995 अंतर्गत उपसरपंच निर्वाचन के लिए विकासखंड स्तर पर सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किए गए हैं। एसडीएम भिण्ड श्री महेंद्र सौजन्य को भिण्ड, एसडीएम अटेर श्री विनोद सिंह को अटेर, एसडीएम मेहगांव श्री नवनीत शर्मा को मेहगांव, एसडीएम गोहद श्री विकास कैमोर को गोहद तथा एडीएम लहार श्री प्रदीप मिश्रा को लहार-रौन विकासखंड के लिए सक्षम प्राधिकारी नियुक्त किया गया है। सक्षम प्राधिकारी सम्मिलन की सूचना जारी करेंगे और प्रत्येक सम्मिलन के लिए पीठासीन अधिकारियों की नियुक्ति करेंगे।

राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन में संशोधन



भिण्ड। जिला भिण्ड अंतर्गत राज्य प्रशासनिक अधिकारियों के मध्य कार्य विभाजन आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए कलेक्टर द्वारा अपर कलेक्टर श्री राजन नाडिया को जिला सत्कार अधिकारी का प्रभार दिया गया है। प्रभारी डिप्टी कलेक्टर श्री अखिलेश शर्मा को वित्त शाखा और नजारत शाखा का प्रभार सौंपा गया है।

पराली प्रबंधन पर जागरूकता शिविरों का आयोजन

पराली प्रबंधन को लेकर जागरूकता शिविरों का आयोजन, किसानों को किया जागरूक

एक सत बुलेटिन, श्योपुर

कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा पराली प्रबंधन के प्रति किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से दिये गये निर्देशो के क्रम में आज ग्राम बगदिया, बनवाडा, ढेंगदा, लाडपुरा, बिचपुरी में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से किसानों को खेतो में पराली जलाने से होने वाले नुकसान से अवगत कराते हुए पराली प्रबंधन में उपयोगी कृषि यंत्रों तथा उनके उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। उप संचालक कृषि श्री आरके सिंह ने बताया कि श्योपुर, कराहल, विजयपुर



विकासखण्ड क्षेत्र के उक्त ग्रामों में आयोजित शिविर के दौरान कृषि अधिकारियों तथा अन्य विभागों के क्षेत्रीय अमले द्वारा किसानों को फसल



अवशेषों एवं पराली को खेतों में जलाने से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया गया कि पराली जलाने से मृदा में उपस्थित लाभकारी सूक्ष्मजीवों को नुकसान पहुंचता है तथा मृदा की उर्वरता प्रभावित होती है। साथ ही वायु प्रदूषण बढ़ने से मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। कृषकों को पराली जलाने के स्थान पर फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन करने, उन्हें खेत में मिलाकर जैविक पदार्थ की मात्रा बढ़ाने तथा उपलब्ध कृषि यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, स्ट्रॉ रीपर एवं अन्य उपयुक्त यंत्रों के माध्यम से फसल अवशेष प्रबंधन करने के लिए प्रेरित किया गया। इससे मृदा की गुणवत्ता बनाए रखने, पोषक तत्वों के संरक्षण तथा कृषि उत्पादन की लागत कम करने में सहायता मिल सकती है।

भगवान अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

4 हजार अग्रबंधुओं की सहभागिता से भोपाल में साकार हुआ सामाजिक एकता एवं समरसता का विराट स्वरूप

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



अग्रवाल समाज के कुल प्रवर्तक एवं समाजवाद तथा लोककल्याण के प्रणेता महाराजा भगवान अग्रसेन जी की 5150वीं जयंती के अवसर पर समग्र अग्रवाल समाज, भोपाल द्वारा शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को आयोजित भव्य शोभायात्रा अपार उत्साह एवं जनसहभागिता के साथ सम्पन्न हुई। लगभग चार हजार अग्रबंधुओं की सहभागिता ने राजधानी में सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव एवं संगठनात्मक शक्ति का अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया। शोभायात्रा जवाहर भवन, रोशनपुरा चौराहा से प्रारम्भ होकर बाणगंगा चौराहा, पॉलिटेक्निक चौराहा एवं शीतलदास की बगिया होते हुए अग्रसेन वाटिका, कमला पार्क पहुँची। मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। भगवान शंकर-माता पार्वती, कुलदेवी माता महालक्ष्मी, भगवान अग्रसेन जी एवं माता माधवी की आकर्षक झांकियों के साथ 18 राजकुमारों ने समाज के 18 गोत्रों की गौरवशाली परम्परा को प्रदर्शित किया। सुसज्जित विंटेज कारों में समाज के वरिष्ठ एवं सम्माननीय नागरिकों की सहभागिता भी विशेष आकर्षण रही। अग्रसेन वाटिका में आयोजित भव्य महाआरती में विशिष्ठ अतिथियों ने शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के रूप में राज्यसभा संसद श्री रजनीश अग्रवाल, भोपाल लोकसभा सांसद श्री आलोक शर्मा, विधायक श्री भगवन दास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय एवं पूर्व विधायक श्री पी सी शर्मा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की।भगवान अग्रसेन जी के जयघोष और भक्तिमय वातावरण के मध्य सम्पन्न महाआरती ने समूचे आयोजन को आध्यात्मिक गरिमा एवं विशेष स्मरणीयता प्रदान की। इस अवसर पर श्री रजनीश अग्रवाल ने समाज की व्यापक सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि भगवान अग्रसेन जी की जयंती पर आयोजित यह शोभायात्रा सामाजिक एकता, आत्मीयता और सामूहिक चेतना का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान कर उनके अनुभव एवं योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। साथ ही, समाजसेवा एवं जनकल्याण के कार्यों के माध्यम से समाज के समग्र उत्थान में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सदस्यों को विशेष प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस पहल ने सेवा, परोपकार एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित किया। इस भव्य आयोजन की सफलता में समग्र अग्रवाल समाज के सभी संयोजकों की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्य संयोजक श्री सुनील गर्ग के साथ श्री होरीलाल गर्ग, श्री मधुर अग्रवाल, श्री शरद अग्रवाल, एवं श्रीमती मंजू गुप्ता ने आयोजन की योजना, समन्वय एवं व्यवस्थाओं में अग्रणी योगदान दिया। समग्र अग्रवाल समाज के मुख्य संयोजक श्री सुनील गर्ग ने कहा कि समग्र अग्रवाल समाज भविष्य में भी ऐसी भव्य शोभायात्राओं, सांस्कृतिक एवं सामाजिक आयोजनों तथा जनकल्याणकारी गतिविधियों की परम्परा को निरन्तर आगे बढ़ाता रहेगा। हम चाहते हैं कि समग्र अग्रवाल समाज सामाजिक एकता का प्रतीक होने के साथ-साथ सेवा, संवेदना और लोककल्याण के क्षेत्र में भी एक अनुकरणीय उदाहरण बने। एकता, सेवा, सहयोग एवं लोककल्याण के संकल्प को निरन्तर सशक्त बनाना ही इस आयोजन का मूल उद्देश्य है।

भारत भवन में बुकारू फेस्टिवल शुरू

कहानियों और कल्पनाओं की दुनिया में खोए बच्चे



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

बच्चों की कल्पनाओं को रंगों में ढालने, कहानियों की दुनिया से जोड़ने और उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने के उद्देश्य से शनिवार को भारत भवन में दो दिवसीय बुकारू चिल्ड्रन्स लिटरेचर फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। पहले ही दिन परिसर में बच्चों की चहल-पहल, रंगों से सजे चित्रों और कहानियों पर चल रही रोचक चर्चाओं ने उत्सव का माहौल बना दिया। देश-विदेश से आए लेखक, चित्रकार और कहानीकार बच्चों से रूबरू हुए और उन्हें साहित्य, कला तथा कल्पनाशीलता के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया। मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित इस फेस्टिवल का शुभारंभ संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं भारत भवन के न्यासी सचिव शिवशेखर शुक्ला ने किया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने, लिखने, चित्र बनाने और अपने विचारों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की रुचि विकसित करना रहा। विभिन्न सत्रों में बच्चों को केवल सुनने का अवसर ही नहीं मिला, बल्कि उन्हें अपनी कल्पनाओं को कागज और चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। फेस्टिवल के पहले दिन परिसर में बनाई गई विशाल डूडल वॉल सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रही। चित्रों के रूप में उकेरने का प्रयास किया।

माया देवी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ़ लॉ के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के ज़रिये जागरूकता का दिया सन्देश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर माया देवी विश्वविद्यालय, देहरादून के छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने और समाज में व्याप्त भेदभाव को दूर करने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रभावशाली नुक्कड़ प्रस्तुति के जरिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, भावनात्मक समस्याओं को समझने तथा जरूरत पड़ने पर उचित सहायता का संकल्प लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम 'स्वास्थ्य के लिए एक जुट रहे' रखी गई है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा रेखांकित इस संदेश का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे लोगों के अनुभवों को सुनना तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी नीतियों, सेवाओं और निर्णयों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में वास्तविक बदलाव के लिए प्रभावित व्यक्तियों के अनुभवों और विचारों को महत्व देना आवश्यक है। नुक्कड़ नाटक में स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज के संजीव, नीशा कुमारी और माधव बंसल ने भाग लिया। वहीं स्कूल ऑफ फार्मेसी से फरीद अख्तर मोहम्मद साहिब, वंश पाल, मयूर तथा प्रिंस सैनी ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इसके अतिरिक्त स्कूल ऑफ आर्ट्स के दिनेश टाक ने भी नुक्कड़ नाटक में जोरदार प्रस्तुति दर्ज कराई।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भोपाल में आयोजित होगा राष्ट्रीय वंदे मातरम् युवा कैंप

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, मध्यप्रदेश द्वारा वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के वंदे मातरम् युवा कैंप 2026-27 का आयोजन 12 से 18 अक्टूबर 2026 तक भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल में किया जाएगा। सात दिवसीय इस शिविर में देश के छह राज्यों से चयनित 150 युवा प्रतिभागी भाग लेंगे। इस राष्ट्रीय शिविर का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति, संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना तथा उनमें नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। यह कार्यक्रम विकसित भारत ञ2047 के निर्माण में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। शिविर के संबंध में 10 अक्टूबर को पत्र सूचना कार्यालय, भोपाल के कॉन्फ्रेंस रूम में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री मंगल जाखड़, राज्य निदेशक, मेरा युवा भारत, मध्यप्रदेश उपस्थित रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शिविर के उद्देश्यों, गतिविधियों और राष्ट्रीय युवा सहभागिता के महत्व की जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रम में मेरा युवा भारत, मध्यप्रदेश उपनिदेशक श्री रोहित यादव, श्रीमती मोनिका चौधरी, कार्यक्रम मीडिया प्रभारी श्री सागर वाधवानी एवं सहायक निदेशक श्री अभिषेक भारद्वाज, जिला युवा अधिकारी नरसिंहपुर श्री उमंग जैन, जिला युवा अधिकारी हरदा सुश्री श्रद्धा मित्तल,जिला युवा अधिकारी खंडवा सुश्री पल्लवी दुबे उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता और युवा नेतृत्व को मिलेगा प्रोत्साहन

शिविर के दौरान विभिन्न राज्यों से आए युवाओं को एक-दूसरे की भाषा, संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक अनुभवों को जानने-समझने का अवसर मिलेगा। विषयगत सत्रों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, समूह गतिविधियों और संवाद के माध्यम से युवाओं में संवैधानिक चेतना, सामाजिक सहभागिता, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। मेरा युवा भारत का यह प्रयास युवाओं को राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने, विविधता में एकता की भावना को मजबूत करने और उन्हें विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

युवाओं को कानून, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिकता का पाठ पढ़ाएगी मप्र पुलिस

भोपाल। युवाओं को कानूनों, मौलिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग शाखा एवं मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' पहल प्रारंभ की जा रही है। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं, संवाद सत्रों और व्यावहारिक गतिविधियों के माध्यम से कानून एवं सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम के प्रभावी एवं व्यवस्थित क्रियान्वयन के लिए 10 अक्टूबर से , भोपाल में कॉलेज प्राध्यापकों एवं पुलिस अधिकारियों का प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। कॉलेजों में इसका क्रियान्वयन 22 अक्टूबर से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के संचालक श्री मनोज सिंह सहित विभिन्न अधिकारी एवं शिक्षाविद् उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए सहायक प्राध्यापकों एवं प्राध्यापकों ने प्रशिक्षण में भाग लिया। संयुक्त प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि युवाओं को कानून, सुरक्षा एवं नागरिक जिम्मेदारियों की व्यवस्थित जानकारी देने के उद्देश्य से आठ क्रेडिट कोर्स तैयार किए गए हैं।



मानव-वन्य प्राणी संघर्ष और फसल क्षति कम करने के लिए कृष्ण-मृग स्थानांतरण अभियान का दूसरा चरण हुआ प्रारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



शाजापुर-शुजालपुर क्षेत्र में कृष्ण-मृगों (ब्लैकबक) को पकड़ने और स्थानांतरित करने के अभियान का दूसरे चरण का शनिवार को प्रारंभ किया गया। अभियान के पहले दिन हन्नूखेड़ी में 97 कृष्णमृगों को सफलतापूर्वक पकड़ा गया। इन्हें अनुकूल वन क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए कूनो राष्ट्रीय उद्यान रवाना किया गया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में लंबे समय से फसलों को नुकसान पहुंचा रहे वन्य प्राणियों के कारण किसानों और ग्रामीणों को होने वाली परेशानियों को कम करना है। कृष्ण-मृगों को उनके अनुकूल वन क्षेत्रों में स्थानांतरित करने से मानव-वन्य प्राणी संघर्ष और फसल क्षति कम करने के साथ कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। दूसरे चरण में कुल 2 हजार कृष्ण-मृगों के स्थानांतरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह पहल वन्य प्राणियों के संरक्षण और ग्रामीणों की आजीविका से जुड़ी चुनौतियों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अभियान में दक्षिण अफ्रीका की विशेषज्ञ संस्था 'कंजर्वेशन सॉल्यूशंस' का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। मालवा अंचल के साथ प्रदेश के अन्य जिलों से आए वन्यप्राणी चिकित्सक, वन अधिकारी और प्रशिक्षित मैदानी कर्मचारी भी इसमें भागीदारी कर रहे हैं। कृष्ण-मृगों को पकड़ने, उनकी देखभाल करने और सुरक्षित परिवहन के दौरान निर्धारित स्थानांतरण प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है, ताकि वन्य प्राणियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। कृष्ण-मृग स्थानांतरण अभियान का पहला चरण पिछले वर्ष संचालित किया गया था।

कटनी जिले में बस मालिक एवं वाहन चालक के विरूद्ध दर्ज हुई एफआईआर

भोपाल। कटनी जिले में विजयराघवगढ़-बंजारी के पास शनिवार को हुई बस दुर्घटना में किशोरी की मृत्यु और 33 यात्रियों के घायल होने की घटना पर शासन ने सख्त एक्शन लिया है। कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने बस मालिक शेख यासीन एवं वाहन चालक सत्यम पाण्डेय के विरूद्ध विजयराघवगढ़ पुलिस थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), भारतीय न्याय संहिता 281 एवं मोटरयान अधिनियम 1988 (संशोधन 2015,2019) की धारा 184 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई है। कलेक्टर कटनी के निर्देश पर एआरटीओ द्वारा बस का फिटनेस निरस्त कर दिया गया है। साथ ही बस चालक का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बस परिचालन का परमिट भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। एआरटीओ श्री संतोष पाल ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस रजा बस सर्विस की है, जिसका बस क्रमांक एमपी-14-बीडी-0811 है। घटना की जानकारी मिलने पर कटनी कलेक्टर श्री आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा तत्काल विजयराघवगढ़ सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों के स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। कलेक्टर कटनी ने चिकित्सकों को सभी घायलों का बेहतर और समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



11 से 26 अक्टूबर तक यात्रियों की सुविधा के लिए दो-दो मिनट का ठहराव

शारदीय नवरात्र मेला 2026 के दौरान विंध्याचल स्टेशन पर 12 ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

शारदीय नवरात्र मेला 2026 के दौरान विंध्याचल स्टेशन पर यात्रियों एवं दर्शनार्थियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेल प्रशासन द्वारा 11 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक भोपाल मंडल होकर संचालित 12 ट्रेनों को दो-दो मिनट का अस्थायी ठहराव प्रदान किया गया है। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है। 1. गाड़ी संख्या 12141 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस प्रतिदिन विंध्याचल स्टेशन पर रात्रि 22:30 बजे पहुंचेगी तथा 22:32 बजे प्रस्थान करेगी। 2. गाड़ी संख्या 12142 पाटलिपुत्र-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस प्रतिदिन विंध्याचल स्टेशन पर शाम 16:05 बजे पहुंचेगी तथा 16:07 बजे प्रस्थान करेगी। 3. गाड़ी संख्या 15945 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन विंध्याचल स्टेशन पर सुबह 05:50 बजे पहुंचेगी तथा 05:52 बजे प्रस्थान करेगी। 4. गाड़ी संख्या 15946 डिब्रूगढ़-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन विंध्याचल स्टेशन पर शाम 19:05 बजे पहुंचेगी तथा 19:07 बजे प्रस्थान करेगी। 5. गाड़ी संख्या 15647 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गुवाहाटी एक्सप्रेस साप्ताहिक विंध्याचल स्टेशन पर सुबह 05:50 बजे पहुंचेगी तथा 05:52 बजे प्रस्थान करेगी। 6. गाड़ी संख्या 15648 गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस साप्ताहिक विंध्याचल स्टेशन पर शाम 19:05 बजे पहुंचेगी तथा 19:07 बजे प्रस्थान करेगी। 7. गाड़ी संख्या 12335 भागलपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन विंध्याचल स्टेशन पर शाम 19:05 बजे पहुंचेगी तथा 19:07 बजे प्रस्थान करेगी। 8. गाड़ी संख्या 12336 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-भागलपुर एक्सप्रेस सप्ताह में दो दिन विंध्याचल स्टेशन पर सुबह 05:50 बजे पहुंचेगी तथा 05:52 बजे प्रस्थान करेगी। 9. गाड़ी संख्या 12295 सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस प्रतिदिन विंध्याचल स्टेशन पर रात्रि 01:40 बजे पहुंचेगी तथा 01:42 बजे प्रस्थान करेगी। 10. गाड़ी संख्या 12296 दानापुर-सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु एक्सप्रेस प्रतिदिन विंध्याचल स्टेशन पर रात्रि 00:35 बजे पहुंचेगी तथा 00:37 बजे प्रस्थान करेगी। 11. गाड़ी संख्या 12167 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-बनारस एक्सप्रेस प्रतिदिन विंध्याचल स्टेशन पर रात्रि 22:15 बजे पहुंचेगी तथा 22:17 बजे प्रस्थान करेगी। 12. गाड़ी संख्या 12168 बनारस-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस प्रतिदिन विंध्याचल स्टेशन पर दोपहर 12:10 बजे पहुंचेगी तथा 12:12 बजे प्रस्थान करेगी। यह अस्थायी ठहराव 11 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगा। इसके अतिरिक्त, मेला अवधि के दौरान मैहर स्टेशन से गुजरने वाली सभी ट्रेनों पर 30 किलोमीटर प्रति घंटे का गति प्रतिबंध लागू रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि यात्रा से संबंधित जानकारी एवं ट्रेन के समय की पुष्टि रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य करें।



स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088